आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 219 | उज्जैन, रविवार 29 जून 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

खेत-तालाब, अमृत सरोवर से 1.67 लाख हेक्टेयर से अधिक में होगी सिंचाई, खिलेंगे किसानों के चेहरे

84 हजार 930 खेत तालाब, 1 हजार 283 अमृत सरोवर से खेतों में पहुंचेगा पानी

भोपाल। प्रदेश के किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त मात्रा पानी मिले, साथ ही सिंचाई के रकबे में भी बढ़ोत्तरी हो, इसके लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा सिंचाई के क्षेत्र में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी का परिणाम है कि प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान में मनरेगा योजना से बनाए जा रहे 84 हजार 930 खेत तालाब और 1 हजार 283 अमृत सरोवर से प्रदेश में 1 लाख 67 हजार हेक्टेयर से अधिक क्षेत्रफल में सिंचाई होगी। इससे प्रदेश में सिंचाई के रकबे में बढ़ोत्तरी होगी और किसानों के चेहरे खिल उठेंगे। यह अभियान मुख्यमंत्री डॉ. यादव के 65 लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल में सिंचाई

के रकबे को बढ़ाने के लक्ष्य में मददगार होगा।

सीएम डॉ. यादव ने बारिश की हर बूंद सहेजने, पुराने जल स्त्रोतों का पुनरुद्धार करने और जल संरक्षण के लिए नई संरचनाओं का निर्माण करने के लिए तीन माह तक निरंतर चले जल गंगा संवर्धन अभियान का प्रदेश में असर भी दिखाई देने लगा है। स्थिति यह है कि प्रदेश में वर्षा जल के संचयन के लिए तीन माह में 84 हजार 930 खेत-तालाब बनाए जा रहे हैं। इसमें से कई खेत-तालाबों का निर्माण कार्य पूरा भी हो गया है। इसी तरह से प्रदेश के सभी जिलों में 1 हजार 283 अमृत सरोवर भी बनाए जा रहे हैं, जिनका निर्माण कार्य भी जारी है।

कुओं का जल स्तर बढ़ाने बन रहे 1 लाख से अधिक रिचार्ज पिट

सिंचाई व पीने के पानी के लिए बनाए गए अधिकांश कुओं का जलस्तर भी घट गया है। कुछ कुएं तो सूख भी गए हैं। ऐसे में कुओं को दोबारा नया जीवन दिया जा सके, इसके लिए प्रदेश सरकार द्वारा 1 लाख 3 हजार से अधिक रिचार्ज पिट बनाए जाने का लक्ष्य रखा गया है। वर्तमान स्थिति में निर्धारित लक्ष्य से अधिक एक लाख 4 हजार 294 कुओं में रिचार्ज पिट बनाए जा रहे हैं। तकनीक के साथ बने खेत तालाब, कूप रिचार्ज पिट और अमृत सरोवर के आने लगे सुखद परिणाम प्रदेश में पहली बार जल गंगा संवर्धन अभियान में तकनीक के साथ बनाए गए खेत तालाब, कूप रिचार्ज पिट और अमृत सरोवर का सुखद परिणाम भी दिखाई देने लगा है।

ड्रोन हमलों से निपटने के लिए भारतीय सेना ने शुरू की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना ड्रोन हमलों से निपटने का समाधान ढूंढ़ने के लिए परीक्षण कर रही है। पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू कश्मीर में आतंकी ठिकानों के खिलाफ शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर के बाद इस्लामाबाद ने बड़े पैमाने पर ड्रोन का इस्तेमाल किया गया था।

आकाशतीर वायु रक्षा प्रणाली ने ड्रोन हमलों को किया विफल- रक्षा मंत्रालय के पूर्व प्रधान सलाहकार लेफ्टिनेंट जनरल वीजी खंडारे (सेवानिवृत्त) ने इंडिया स्पेस कांग्रेस में संवाद सत्र में कहा, ड्रोन हमलों से निपटने के लिए सशस्त्र बल पहले से ही परीक्षण कर रहे हैं। भारत ने अपने स्वदेश निर्मित आकाशतीर वायु रक्षा प्रणाली का उपयोग करके पाकिस्तान द्वारा किए गए कई ड्रोन हमलों को विफल कर दिया था।

सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल खंडारे ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान न तो थलसेना और न ही वायुसेना के पायलटों ने सीमा पार की, लेकिन फिर भी वे पाकिस्तान के अंदर आतंकी ठिकानों को ध्वस्त किया।

तमिलनाडु में पटरी से उतरी मेमू पैसेंजर ट्रेन कोई हताहत नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु के रानीपेट जिले में एक ट्रेन पटरी से उतर गई, जिसके बाद थोड़ी देर के लिए अफरातफरी मच गई थी। जिले के चिट्टेरी रेलवे स्टेशन पर अराकोणम-कटपडी मेमू पैसेंजर ट्रेन (66057) पटरी से उतर गई थी। हालांकि, इस घटना में किसी के घायल होने या हताहत होने की खबर नहीं है।

बताया जा रहा है कि ट्रेन के चित्तेरी स्टेशन से रवाना होने के कुछ ही समय के बाद पटरी से उतरने की घटना हुई। प्रत्यक्षदर्शियों और शुरुआती जांच में पता चला है कि लोको पायलट द्वारा ट्रेन को तुरंत रोकने से पहले तेज आवाज सुनी गई थी।

टूटा हुआ था रेलवे ट्रैक- घटनास्थल से जो तस्वीरें सामने आई है, उसे देखकर पता चल रहा है कि ट्रेन के पटरी से उतरने के स्थान पर रेलवे ट्रैक का एक हिस्सा स्पष्ट रूप से टूटा हुआ दिखाई दे रहा है। घटनास्थल पर मौजूद एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने पुष्टि करते हुए बताया कि इस घटना में किसी को कोई चोट या नुकसान नहीं पहुंचा है।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का संविधान की प्रस्तावना पर बड़ा बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। 1976 में लगे आपातकाल को 50 साल पूरे हो चुके हैं। आपातकाल के दौरान तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने संविधान में भी कई बदलाव किए थे। इस दौरान संविधान की प्रस्तावना में भी कुछ शब्द जोड़े गए थे, जिसे लेकर अब सियासत तेज हो गई है।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने इसपर बयान देते हुए कहा कि प्रस्तावना को बदला नहीं जाता है। यह संविधान का बीज होती है। दुनिया के किसी अन्य देश में संविधान की प्रस्तावना को नहीं बदला गया है, यह सिर्फ भारत में देखने को मिलता है।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा, भारतीय संविधान की प्रस्तावना को 42वें संविधान संशोधन अधिनियम 1976 के द्वारा बदला गया। प्रस्तावना में समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और अखंडता जैसे शब्द जोड़े गए। बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर ने भी संविधान पर बहुत मेहनत की थी। ऐसे में जाहिर है उन्होंने भी इन शब्दों पर ध्यान दिया होगा, लेकिन इन्हें संविधान की मूल प्रस्तावना में नहीं रखा गया था।

दत्तात्रेय ने उठाये थे सवाल- बता दें कि इस मुद्दे को हाल ही में RSS के सरकार्यवाहक दत्तात्रेय होसबाले ने उठाया था। दत्तात्रेय का कहना था कि बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर ने समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष जैसे शब्दों को संविधान में नहीं रखा।

हालांकि बाद में इसे प्रस्तावना में जोड़ा गया, जिसने संविधान की मूल भावना को ठेस पहुंचाने का काम किया। इसी के साथ होसबाले ने इसपर फिर से विचार करने की सलाह दी है।

केंद्रीय मंत्रियों ने भी दिया साथ- होसबाले के बयान के बाद बीजेपी के कई नेताओं ने इस मुद्दे को उठाया। इस लिस्ट में केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह और शिवराज सिंह चौहान का नाम भी शामिल है।

शशि थरूर बोले- बांग्लादेश से घुसपैठियों की संख्या में कमी आई

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसदीय समिति की बैठक में शुक्रवार को पाकिस्तान और चीन के साथ बांग्लादेश की बढ़ती निकटता और भारत के अपने पूर्वी पड़ोसी के साथ तनावपूर्ण संबंधों पर चर्चा की गई। इस बैठक में कुछ विशेषज्ञों ने बांग्लादेश के साथ संबंधों को बेहतर बनाने के सुझाव दिए।

विदेश मामलों की स्थायी समिति के अध्यक्ष हैं शशि थरूर- विदेश मामलों की स्थायी समिति के अध्यक्ष शशि थरूर ने कहा कि पूर्व विदेश सचिव शिवशंकर मेनन, लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन, बांग्लादेश में भारत की पूर्व उच्चायुक्त रीवा गांगुली दास और जाने-माने शिक्षाविद् अमिताभ मट्टू विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित हुए।

कुछ विशेषज्ञों ने बांग्लादेश के साथसंबंधों को बेहतर बनाने के सुझाव दिए- उन्होंने हमें बहुत अच्छे सुझाव दिए। बांग्लादेश से घुसपैठ के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में थरूर ने कहा कि समिति के सामने जो आंकड़ा आया है, उससे पता चलता है कि घुसपैठियों की संख्या में कमी आई है।

एक सांसद ने कहा कि कुछ सदस्यों ने पिछले साल शेख हसीना के अपदस्थ होने के बाद मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार के तहत बांग्लादेश के साथ संबंधों में तनाव पर चिंता जताई।

बांग्लादेश की सेना पाकिस्तान की तरह चरमपंथी नहीं- एक विशेषज्ञ ने कहा कि बांग्लादेश में युवाओं के कट्टरपंथी होने के बावजूद इसकी सेना पाकिस्तान की तरह चरमपंथी नहीं है।

ईरान, इजरायल से अब तक 4400 से अधिक भारतीयों की हुई स्वदेश वापसी

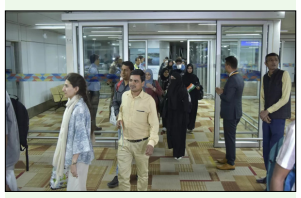

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने ईरान-इजरायल संघर्ष के बीच 19 विशेष उड़ानों के जरिये अभी तक 4,400 से अधिक भारतीय नागरिकों को वहां से निकाला है। इस आशय की जानकारी विदेश मंत्रालय ने दी। भारत ने अपने नागरिकों को वापस लाने के लिए 18 जून को ऑपरेशन सिंधु शुरू किया था। इसी के तहत यह वापसी हुई है। मंत्रालय ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि ईरान से निकाले गए 173 भारतीयों का एक नया जत्था गुरुवार देर रात आर्मेनिया की राजधानी येरवन से एक उड़ान के जरिये दिल्ली पहुंचा।

विदेश मंत्रालय ने चलाया पासपोर्ट सेवा प्रोग्राम

नई दिल्ली (एजेंसी)। कुछ साल पहले तक पासपोर्ट होना अपने आप में एक बड़ी बात थी। ज्यादातर हवाई यात्रा करने वाले लोग ही पासपोर्ट बनवाने की जहमत उठाते थे। मगर अब हर किसी के पास पासपोर्ट होना बेहद आम बात है। हवाई यात्रा से लेकर निवास प्रमाण पत्र और पहचान पत्र के रूप में पासपोर्ट बेहद मददगार साबित होता है। यही वजह है कि देश में पासपोर्ट की मांग भी तेजी से बढ़ रही है।

वहीं, पासपोर्ट का डेटा सुरक्षित रखने के लिए सरकार ने भी पासपोर्ट 2.0 जारी करने का फैसला किया है। 24 जून 2025 को 13वें पासपोर्ट सेवा दिवस के दौरान विदेश मंत्री एस.जयशंकर ने भी पासपोर्ट सेवा 2.0 लॉन्च किया है, जिससे पासपोर्ट बनवाना बेहद आसान हो गया है।

पासपोर्ट सेवा प्रोग्राम- पासपोर्ट के लिए विदेश मंत्रालय ने पासपोर्ट सेवा प्रोग्राम शुरू किया है, जिसके तहत पासपोर्ट के लिए घर बैठे अप्लाई किया जा सकता है। डिजिटल दुनिया के इस युग में सरकार ने ई-पासपोर्ट (पासपोर्ट 2.0) जारी करना भी शुरू कर दिया। ई-पासपोर्ट में चिप लगी है और यह टेंपर प्रूफ भी है।

ई-पासपोर्ट के फायदे- ई-पासपोर्ट की मदद से विदेश यात्रा में आसानी होगी। इससे लोगों को एअरपोर्ट पर कम इंतजार करना पड़ेगा और उनके लिए एक-देश से दूसरे देश जाना भी आसान हो जाएगा।

ई-पासपोर्ट में लगी चिप में यूजर्स का निजी डेटा सुरक्षित रहेगा, जिससे कोई चाहकर भी डेटा के साथ छेड़छाड़ नहीं कर सकेगा।

पासपोर्ट धारक की पर्सनल और बायोमैट्रिक जानकारी भी चिप में सुरक्षित स्टोर की जाएगी।

ई-पासपोर्ट ICAO के नियमों पर खरा उतरता है। ऐसे में यह पासपोर्ट पूरी दुनिया में मान्य होगा।

पुलिस वेरिफिकेशन भी हुआ आसान- पासपोर्ट के लिए अप्लाई करने के बाद लोगों को पुलिस वेरिफिकेशन प्रोसेस से गुजरना पड़ता है। ऐसे में दूर-दराज के इलाकों में रहने वाले लोगों को पासपोर्ट बनवाने में महीनों लग जाते हैं। इसके लिए विदेश मंत्रालय ने mPassport Police App लॉन्च किया है। इस ऐप की मदद से पुलिस वेरिफिकेशन महज 5-7 दिन में पूरा हो सकता है।

जोहरान ममदानी की नागरिकता क्यों रद कराना चाहते हैं रिपब्लिकन? ट्रंप ने बता दिया कट्टर कम्यूनिस्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका में एक अजीब राजनीतिक हलचल देखने को मिल रही है। यहां पर रिपब्लिकन पार्टी के नेता और समर्थक न्यूयॉर्क मेयर पद की रेस में आगे चल रहे डेमोक्रेट सोशलिस्ट जोहरान ममदानी के पीछे पड़ गए हैं।

रिपब्लिकन समर्थकों ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मांग करते हुए कहा कि ममदानी की अमेरिकी नागरिकता खत्म करने और उन्हें डिपोर्ट किया जाए। बता दें कि ममदानी ने मेयर के प्राइमरी चुनाव में पूर्व गवर्नर एंड्रिउ कुओमो को परास्त कर के सभी को हैरान कर दिया है। बता दें कि ममदानी भारतीय मूल के माता-पिता के वंशज हैं। उन्होंने मेयर के प्राइमरी चुनाव में जीत हासिल की है। ममदानी ने इस चुनाव में पूर्व गवर्नर एंड्रिउ कुओमो को हरा दिया है। ममदानी की जीत ने सभी को हैरान कर के रख दिया है। कहा जा रहा है कि ममदानी की लोकप्रियता युवाओं में बढ़ती जा रही है। यही कारण है कि मेयर के चुनाव में उनकी जीत एक तरीके से पक्की मानी जा रही है। न्यूयॉर्क मेयर पद के लिए साल 2025 नवंबर में होने वाले हैं।

ममदानी को ट्रंप ने बताया 100 प्रतिशत कम्यूनिस्ट- ममदानी को लेकर को लेकर कई वर्ग में नाराजगी भी देखने को मिल रही है। अमेरिका में रिपब्लिकन के नेता ममदानी की नागरिकता को खत्म कर उनको वापस डिपोर्ट करने की मांग कर रहे हैं। हालांकि, ट्रंप प्रशासन की ओर से इसपर किसी प्रकार की कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई है।

अमेरिका के रिपब्लिकन पार्टी के नेताओं का आरोप है कि ममदानी पूरी तरह से अमेरिकी नहीं है क्योंकि नागरिकता हासिल करने की निर्धारित अवधि जो 10 वर्ष है। उधर, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ पर लिखा कि आखिरकार यह हो गया, डेमोक्रेट्स ने हदें पार कर दीं।

जोहरान ममदानी जो कि सौ प्रतिशत कम्यूनिस्ट और पागल है, उसने डेम प्राइमरी का चुनाव जीत लिया है और वह मेयर बनने की दौड़ में है।

इजरायल ने गाजा में फिर बरपाया कहर, हमले में मारे गए 34 लोग; अब तक 56 हजार से अधिक लोगों की हुई मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। शुक्रवार देर रात और शनिवार सुबह तक गाजा पर किए गए इजरायली हमले में लोगों की मरने की खबर सामने आई है। शिफा अस्पताल के कर्मचारियों के अनुसार, गाजा शहर के फलिस्तीन स्टेडियम में 12 लोगों की मौत हो गई। स्वास्थ्य कर्मचारियों का कहना है कि इस हमले में गाजा में कम से कम 34 लोगों की मौत हुई है। अस्पताल के अनुसार, दक्षिणी गाजा में मुवासी में विस्थापित लोगों के लिए लगाए गए तंबू पर हमले में 6 लोगों की मौत हुई है।

ट्रंप ने युद्धविराम की कही है बात- इजरायल द्वारा यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अगले सप्ताह के भीतर युद्धविराम समझौता हो सकता है। शुक्रवार को ओवल ऑफिस में पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए ट्रंप ने कहा, हम गाजा पर काम कर रहे हैं और इसे संभालने की कोशिश कर रहे हैं।

स्थिति की जानकारी रखने वाले एक अधिकारी ने बताया कि इजरायल के सामरिक मामलों के मंत्री रॉन डर्मर गाजा के युद्ध विराम, ईरान और अन्य विषयों पर बातचीत के लिए अगले सप्ताह वाशिंगटन पहुंचेंगे।

अभी तक मारे गए 56 हजार से अधिक फलिस्तिनी- अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर बात की है, क्योंकि उन्हें मीडिया से बात करने की अनुमति नहीं थी। गाजा में करीब 50 बंधक बचे हैं, माना जा रहा है कि उनमें से आधा से भी कम लोग जीवित बचे हैं।

अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस और लॉरेन सांचेज ने की शादी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस और पूर्व टीवी पत्रकार लॉरेन सांचेज ने 27 जून को पति और पत्नी के रूप में अपने जीवन के नए अध्याय की शुरुआत की। इटली के वेनिस में एक भव्य समारोह में जोड़े ने शादी की। बिल गेट्स, किम कार्दशियन, क्रिस जेनर, कार्ली क्लॉस, इवांका ट्रम्प और ऑरलैंडो ब्लूम कई अन्य मेहमानों में शामिल थे।

बेजोस और सांचेज को अमन होटल से निकलते हुए देखा गया- समारोह से पहले, बेजोस और सांचेज को अमन होटल से अलग-अलग निकलते हुए देखा गया, संभवतः वे अपने विवाह स्थल की ओर जा रहे थे। दुल्हन ने रेट्रो-प्रेरित, सफेद रंग का सूट और रेशमी सिर का दुपट्टा पहना था, जबकि दूल्हे ने एक शानदार काले रंग का टक्सेडो और एविएटर-स्टाइल चश्मा पहना था। इस जोड़े को ग्रैंड कैनाल पर स्थित विशेष अमन वेनिस होटल में प्रवेश करते हुए देखा गया। यहां कई मशहूर हस्तियां ठहरीं। वेनिस सिटी हाल ने बुधवार को एक निर्देश जारी किया। इसमें इस पूरे क्षेत्र में सुरक्षा के कड़े इंतजाम करने का निर्देश दिया गया है। यहां मेहमानों के लिए विशेष व्यवस्था की गई है।

राष्ट्रपति बनना सबसे खतरनाक..., अमेरिकी SC ने बढ़ाई ट्रंप की शक्तियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को व्हाइट हाउस में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अपने जीवन पर मंडराते खतरों के बारे में बात की। दरअसल, अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति प्रशासन को अपनी नीतियों को लागू करने की छूट दी है, इसी का जश्न मनाने के लिए प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया था।प्रेस वार्ता के दौरान ट्रंप ने अपने ऊपर हुए हमलों को याद किया और बताया कि यह पद कितना जोखिम भरा है। जब एक रिपोर्टर ने ट्रंप से उनकी जान को खतरे के बारे में पूछा, तो उन्होंने 13 जुलाई 2024 को पेंसिल्वेनिया रैली में उन पर हुई गोलीबारी की घटना को याद किया।

राष्ट्रपति पद पर ट्रंप का बयान

13 जुलाई 2024 को ट्रंप पर हुई गोलीबारी के घटना के दौरान एक गोली उनके कान को छूकर निकल गई थी। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, कभी-कभी उस गोली की झनझनाहट अब भी महसूस होती है। यह एक खतरनाक काम है।

मैंने खामेनेई को बुरी और अपमानजनक मौत से बचाया, ट्रंप के बयान से ईरान में मच सकती है खलबली

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान और इजरायल युद्ध के दौरान ट्रंप ने एक बार कहा था कि वह जानते हैं कि ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई कहां छिपे हैं। ट्रंप ने उनके ठिकाने का पता होने का दावा किया था। वहीं, अब ट्रंप ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने ईरान के अयातुल्ला अली खामेनेई को हत्या से बचाया था।

ट्रंप ने ईरान को दी धमकी- सर्वोच्च नेता पर आरोप लगाते हुए कहा कि अगर देश परमाणु हथियार बनाने की कोशिश करेगा तो वह और बमबारी का आदेश देंगे। अपने ट्रुथ सोशल प्लेटफॉर्म पर एक एक पोस्ट में ट्रंप ने तेहरान पर इजरायल के साथ युद्ध जीतने का दावा करने के लिए हमला किया और कहा कि वह संभावित प्रतिबंधों में राहत पर काम रोक रहे हैं।

ट्रंप ने कहा कि अगर ईरान अमेरिकी हमलों के बाद भी परमाणु हथियार ग्रेड यूरेनियम को समृद्ध करने में सक्षम है तो अमेरिका बिना किसी सवाल के फिर से ईरान पर बमबारी करेगा।

ट्रंप बोले- मुझे पता था खामेनेई कहां छिपे हैं - ट्रम्प ने पोस्ट किया कि मुझे ठीक-ठीक पता था कि वह कहां पनाह लिए हुए है, और मैं इजरायल या विश्व की सबसे महान और सबसे शक्तिशाली अमेरिकी सशस्त्र सेनाओं को उसका जीवन समाप्त नहीं करने दूंगा। मैंने उसे एक बहुत ही बदसूरत और अपमानजनक मौत से बचाया, और उसे यह कहने की जरूरत नहीं है कि धन्यवाद, राष्ट्रपति ट्रंप।

पाकिस्तान में सैन्य काफिले पर बड़ा आत्मघाती हमला, 13 सुरक्षाकर्मियों की मौत और 24 घायल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में शनिवार को हुए आत्मघाती हमले में 13 सुरक्षाकर्मियों की मौत हो गई और 24 अन्य घायल हो गए। सुरक्षा सूत्रों ने बताया कि उत्तरी वजीरिस्तान जिले के खड्डी इलाके में आज सुबह एक आत्मघाती हमलावर ने विस्फोटकों से लदे वाहन को बम निरोधक इकाई के माइन-रेसिस्टेंट एम्बुश प्रोटेक्टेड वाहन से टकरा दिया।

घायलों में बच्चे व महिलाएं भी शामिल- 24 घायलों में 14 नागरिक शामिल हैं जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं, जिनमें से कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। सूत्रों ने बताया कि घटना के समय इलाके में सैन्य गतिविधि जारी रहने के कारण कर्फ्यू लगा दिया गया था। विस्फोट के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने बचाव अभियान शुरू किया।

किसने ली हमले की जिम्मेदारी- उन्होंने बताया कि हाफिज गुल बहादुर समूह के एक उप-गुट, आतंकवादी समूह उसुद अल-हरब ने हमले की जिम्मेदारी ली है। इस घटना को हाल के महीनों में उत्तरी वजीरिस्तान में सबसे घातक घटनाओं में से एक बताया जा रहा है और इसने क्षेत्र में सुरक्षा स्थिति को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं।

उन्होंने बताया कि हाफिज गुल बहादुर समूह के एक उप-गुट, आतंकवादी समूह उसुद अल-हरब ने हमले की जिम्मेदारी ली है। इस घटना को हाल के महीनों में उत्तरी वजीरिस्तान में सबसे घातक घटनाओं में से एक बताया जा रहा है और इसने क्षेत्र में सुरक्षा स्थिति को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं।

गुस्से में शख्स ने मेट्रो के कोच में पेट्रोल छिड़ककर लगा दी आग, मची अफरातफरी; 22 लोग घायल

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंसान के जीवन में तमाम तरह के दुख और परेशानियां आती हैं। इस दौरान कई बार लोग कुछ ऐसे कदम उठा जाते हैं, जिससे दूसरों के लिए भी जान का खतरा बन जाता है। ऐसा ही एक हैरान करने वाला मामला साउथ कोरिया के सियोल से आया है। यहां एक 67 वर्षीय व्यक्ति अपनी पत्नी से झगड़े और तलाक को लेकर इतना ज्यादा गुस्से में आ गया कि उसने चलती मेट्रो टेन में आग लगा दी। इस खौफनाक घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसे देखकर लोग हैरान हो रहे हैं।

गुस्से में लगा दी आग- योनहाप समाचार एजेंसी के मुताबिक, आरोपी का नाम वोन बताया जा रहा है जो सियोल में एक मेट्रो में सफर कर रहा था। बताया जा रहा है कि आरोपी अपनी पत्नी के साथ तलाक को लेकर काफी ज्यादा परेशान चल रहा था और इसी गुस्से में उसने मेट्रो के एक डिब्बे के अंदर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी। हैरान करने वाली बात यह है कि आग लगाने से पहले उसने अपने ही कपड़ों को जलाया और आग की लपटें चारों ओर फैल गई। आग लगने के बाद मेट्रो के अंदर अफरातफरी मच गई।

129 लोगों का मौके पर हुआ इलाज- आरोपी द्वारा आग लगाने की घटना में 22 लोगों के घायल होने की जानकारी सामने आई है, जबकि 129 अन्य यात्रियों को मौके पर ही प्राथमिक इलाज दिया गया। राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी की जान नहीं गई।

बीजेपी ने ममता बनर्जी से की इस्तीफे की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज के बाद लॉ कॉलेज में युवती के साथ हुई दरिंदगी ने सभी को हिलाकर रख दिया है। इस गैंगरेप कांड के बाद एक बार फिर ममता बनर्जी के इस्तीफे की मांग उठने लगी है। बीजेपी ने शनिवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से माफी मांगने और सीएम पद से इस्तीफा देने की मांग की है।

लॉ कॉलेज में युवती के साथ हुए गैंगरेप के मुख्य आरोपियों का कनेक्शन सत्ताधारी तृणमूल पार्टी से है। यही वजह है कि बीजेपी ममता बनर्जी पर माफी मांगने और इस्तीफा देने का दबाव बना रही है।

संबित पात्रा ने साधा निशाना- बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने पीड़िता का बयान पढ़ते हुए दुष्कर्म की जानकारी दी। उन्होंने कहा, पीड़िता और उसके परिवार वालों को डराया धमकाया गया। इस तरह का क्रूर और जघन्य अपराध राजनीति से प्रेरित था।

बीजेपी ने बनाई कमेटी- संबित पात्रा के अनुसार, बीजेपी के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने मामले की जांच के लिए चार सदस्य कमेटी का गठन किया है, जो पश्चिम बंगाल का दौरा करेगी। इस कमेटी में दो सिटिंग सांसद बिपलब कुमार देब और मनन कुमार मिश्रा के अलावा 2 पूर्व सांसद सत्यपाल सिंह और मिनाक्षी लेखी शामिल होंगे।

ममता से मांगा इस्तीफा- मीडिया से बातचीत के दौरान संबित पात्रा ने कहा कि इस घटना से पूरा देश दुखी है। महिलाओं के साथ अपराध एक ऐसे प्रदेश में हो रहा है, जहां एक महिला ही मुख्यमंत्री है। ममता बनर्जी को माफी मांगते हुए तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए।

टीएमसी सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने वोटर लिस्ट रिवीजन पर उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग की ओर से मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर सियासत तेज हो गई है। विपक्षी दल इसको लेकर सवाल उठा रहे हैं। आरोप लगा रहे हैं कि सरकार पीछे के दरवाजे से एनआरसी लाना चाहती है। इसी क्रम में शनिवार (28 जून, 2025) को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने कहा कि यह पिछले दरवाजे से एनआरसी लाने का एक भयावह कदम है।

इस कैंपेन की टाइमिंग पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन संसद के अंदर और बाहर दोनों जगह पर इस मुद्दे को उठाएगा। चुनाव आयोग ने पिछले सोमवार को बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य करने के निर्देश जारी किए थे, ताकि अयोग्य नामों को हटाया जा सके और सभी पात्र नागरिकों को मतदाता सूची में शामिल किया जा सके।

अचानक क्यों शुरू किया गया कैंपेन- टीएमसी सांसद ने कहा, यह कवायद अचानक अभी क्यों की जा रही है? उन्होंने दावा करते हुए आगे कहा, हमारे पास इस बात के सबूत हैं कि ऐसा अब क्यों किया जा रहा है? ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि बंगाल के लिए जो ताजा सर्वे किया गया है।

तेलुगु की मशहूर न्यूज एंकर ने किया सुसाइड, कमरे में पंखे से झूलता मिला स्वेच्छा वोटारकर का शव

नई दिल्ली (एजेंसी)। तेलुगु के एक समाचार चैनल की न्यूज एंकर स्वेच्छा वोटारकर की आत्महत्या की खबर ने सभी को हिलाकर रख दिया है। इस घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। शनिवार को पुलिस ने इस घटना की जानकारी दी। तेलुगु के न्यूज चैनल की 40 वर्षीय एंकर स्वेच्छा ने शुक्रवार की देर रात फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। स्वेच्छा का शव उसके कमरे में पंखे से झूलता मिला।

पिता ने दर्ज कराई शिकायत- स्वेच्छा के पिता ने पुलिस में आत्महत्या का मामला दर्ज करवाया है। स्वेच्छा के पिता ने बेटी की मौत का जिम्मेदार किसी शख्स को ठहराया है। पुलिस ने पिता के द्वारा बताए गए शख्स के खिलाफ सुसाइड के लिए उकसाने का मामला दर्ज कर लिया है।

केटी रामा ने जताया दुख- बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राओ ने भी न्यूज एंकर की मौत पर दुख व्यक्त किया है। केटी रामा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट शेयर करते हुए कहा, स्वेच्छा वोटारकर की दुर्भाग्यपूर्ण निधन के बारे में सुनकर स्तब्ध हूं। मेरे पास कहने के लिए कोई शब्द नहीं है।

केटी रामा ने कहा- जो भी मेरी इस पोस्ट को पढ़ रहा है, अगर आपको लगता है कि जिंदगी मुश्किल हो गई है तो कृपया प्रोफेशनल से संपर्क करने में मत हिचकिचाएं। जिंदगी जीने के लिए है। हमेशा कोई न कोई सहारा मिल ही जाता है।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने दिया मां कमाख्या के भक्तों को तोहफा

नई दिल्ली (एजेंसी)। मां कामाख्या के दर्शन करने जाने वालों के लिए खुशखबरी है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने शनिवार (28 जून, 2025) को गुवाहाटी में घोषणा की कि कामाख्या मंदिर की यात्रा को ज्यादा सुलभ और समय कुशल बनाने के लिए दो रोपवे का निर्माण किया जाएगा।

उन्होंने कहा, कामाख्या स्टेशन से कामाख्या मंदिर तक एक रोपवे का निर्माण किया जाएगा और सोनाराम मैदान से कामाख्या मंदिर तक एक और रोपवे का निर्माण किया जाएगा। दोनों ही रोपवे पर काम चल रहा है। टेंडर जारी करने की प्रक्रिया पहले ही पूरी हो चुकी है। इसके अलावा कई और रोपवे बनाने के लिए अध्ययन चल रहा है।

मां कामाख्या के दर्शन करने मंदिर पहुंचे सीएम सरमा - अम्बुबाची महोत्सव खत्म होन के दो दिन बाद सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने अपने परिवार के साथ मां कामाख्या मंदिर में पूजा-अर्चना की। उन्होंने कहा, अम्बुबाची महोत्सव दो दिन पहले ही खत्म हो गया था, लेकिन यहां भक्तों की भारी संख्या की वजह से मैं आ नहीं पाया था। मुझे आज मां कामाख्या के दर्शन करने का सौभाग्य मिला है।

22 जून से 26 जून तक चला अम्बुबाची महोत्सव- अम्बुबाची महोत्सव असम के सबसे प्रतिष्ठित हिंदू त्योहारों में से एक है। ये फेस्टिवल मां कामाख्या मंदिर में 22 जून को शुरू हुआ और 26 जून को खत्म हुआ। गुवाहाटी में नीलांचल पहाड़ियों में स्थित मां कामाख्या के मंदिर में अम्बुबाची मेला हर साल लगता है। इसे देवी कामाख्या के मासिक धर्म चक्र की याद में मनाया जाता है, जिन्हें स्त्री शक्ति का अवतार माना जाता है। अम्बुबाची प्रभृति अनुष्ठान करने के बाद, कामाख्या मंदिर का मुख्य द्वार 22 जून को बंद हो गया और 26 जून को फिर से खुल गया।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद भी नहीं सुधरा पाकिस्तान, तबाह हुए आतंकी लॉन्चपैड्स को फिर बनाने में जुटा पड़ोसी मुल्क

नई दिल्ली (एजेंसी)। आतंकवादियों को पनाह देने वाला पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने जिन आतंकी लॉन्चपैड्स को तबाह कर दिया था, उन्हें वो फिर से बना रहा है। इन्हें बनाने के लिए पाकिस्तान की सेना, खुफिया एजेंसी आईएसआई और सरकार का समर्थन भी मिला हुआ है।

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) और इसके आसपास के इलाकों में आतंकी लॉन्चपैड्स को फिर खड़ा करने की कोशिश चल रही है। एनडीटीवी ने अपनी रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया, इसके लिए कॉन्ट्रैक्ट भी दिया जा चुका है। इससे साफ है कि पाकिस्तान अपने यहां पाले गए आतंकवाद को फिर से खड़ा करने में लगा हुआ है।

पाकिस्तान बहा रहा सरकारी पैसा- ऑपरेशन सिंदूर में मुंह की खाने के बाद फील्ड मार्शल बनाए गए आसिम मुनीर ने खुद दखल देते हुए इन आतंकी ठिकानों को फिर से खड़ा करने के लिए सरकारी फंड जारी किया है। इसके लिए अब तक 40 करोड़ रुपये का फंड मुनीर दिलवा चुके हैं। वहीं, पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ भी कह चुके हैं कि भारतीय हमलों में जो घर और मस्जिदें तबाह हुई हैं, उनका पुनर्निर्माण सरकार करवाएगी।

किस आतंकी ठिकाने को मिला कितना फंड - बहावलपुर को 14 करोड़ रुपये की फंडिंग की गई है। यहां के मरकज सुभान अल्लाह परिसर पर भारतीय सेना ने जैश-ए-मोहम्मद के अड्डे को टारगेट बनाकर मिसाइलें दागी थीं। इसे आतंकी मसूद अजहर का गढ़ माना जाता है और यहां पर 13 आतंकी मारे गए थे।

मुरीदके को 15 करोड़ रुपये की फंडिंग की गई है। ये लश्कर-ए-तैयबा का गढ़ है। इस परिसर को भारत ने निशाना बनाया था और हमले में इमारतें बुरी तरह से तबाह हुई थीं।

RAW के नए प्रमुख नियुक्त हुए आईपीएस पराग जैन

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने पंजाब कैडर के 1989 बैच के आईपीएस अधिकारी पराग जैन को रिसर्च एंड एनालिसिस विंग का नया प्रमुख नियुक्त किया है।

पराग, रवि सिन्हा की जगह लेंगे, जिनका मौजूदा कार्यकाल 30 जून को समाप्त हो रहा है। जैन 1 जुलाई 2025 को दो साल के निश्चित कार्यकाल के लिए पदभार ग्रहण करेंगे।

कौन हैं पराग जैन- पराग जैन चंडिगढ़ के एसएसपी के रूप में भा कार्य कर चुके हैं। साथ ही उन्होंने कनाडा और श्रीलंका में भारत का प्रतिनिधित्व भी किया है। पराग जैन जम्मू-कश्मीर में भी तैनात रहे हैं, जहां उन्होंने संघर्षग्रस्त केंद्र शासित प्रदेश में केंद्र की आतंकवाद विरोधी रणनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके अलावा उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर में भी अहम भूमिका निभाई थी।

वे चंडीगढ़ के एसएसपी और लुधियाना के डीआईजी भी रह चुके हैं। पराग जैन लंबे समय से रॉ के साथ जुड़े हुए हैं और उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान एक अहम भूमिका भी निभाई थी।

धारा 370 हटाने में दिया योगदान- पराग जैन ने जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटाने और बालाकोट एअरस्ट्राइक जैसे महत्वपूर्ण ऑपरेशन में भी योगदान दिया है। उनकी विशेषता विशेष रूप से पाकिस्तान डेस्क को संभालने में रही है।

पराग जैन की RAW में भूमिका- पराग जैन वर्तमान में रॉ के एविएशन रिसर्च सेंटर के प्रमुख हैं, जो हवाई निगरानी समेत अन्य कामों से संबंधित है। पंजाब कैडर के 1989 बैच के भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी जैन अपनी नई भूमिका में रॉ में दो दशकों से अधिक का अनुभव लेकर आए हैं।

उनके करियर में पंजाब में आतंकवाद के चरम के दौरान महत्वपूर्ण परिचालन योगदान शामिल है, जहां उन्होंने विभिन्न जिलों में एसएसपी और पुलिस उप महानिरीक्षक के रूप में कार्य किया।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 कृष्ण चतुर्थी

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

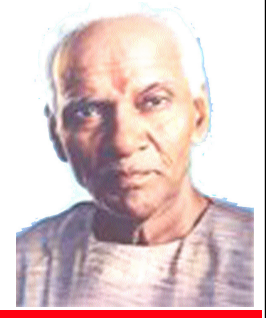

संपादकीय

....लोकतंत्र में विश्वास तब तक है जब तक वह सत्ता में है

कांग्रेस का लोकतंत्र में विश्वास तब तक है जब तक वह सत्ता में है। जब वह सत्ता से बाहर होती दिखाई देती है, वह संविधान और लोकतंत्र की धज्जियाँ उड़ाने से नहीं चूकती। डॉ. राममनोहर लोहिया के ये शब्द 25 जून 1975 को उस समय सत्य सिद्ध हुए, जब तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने आज से 50 वर्ष पहले, 25 जून 1975 को देश पर आपातकाल थोप दिया। यह घटना भारतीय लोकतंत्र के इतिहास की सबसे दुखद और शर्मनाक घटनाओं में से एक है। यह केवल एक राजनीतिक निर्णय नहीं था, बल्कि यह भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था पर सबसे बड़ा हमला था। आपातकाल लगाने का उद्देश्य नेहरू-गांधी परिवार का सत्ता पर वर्चस्व बनाए रखने की लालसा में संविधान को रौंदने का कुत्सित प्रयास था। यह वह समय था जब संविधान को ताक पर रखकर व्यक्तिगत सत्ता की रक्षा के लिए पूरे देश को एक तानाशाही शासन के अधीन कर दिया गया था। 1970 के दशक की शुरुआत में भारत गंभीर आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक संकटों से जूझ रहा था। बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और असंतोष के कारण सरकार के खिलाफ जनता में असंतोष बढ़ रहा था। इंदिरा गांधी की सत्ता को सबसे बड़ा झटका तब लगा जब इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 12 जून 1975 को उनके निर्वाचन को अवैध घोषित कर दिया और उन्हें छह वर्षों के लिए चुनाव लड़ने से अयोग्य ठहराया।

इस फैसले के बाद देश भर में इंदिरा गांधी के इस्तीफे की मांग तेज हो गई। जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में विपक्ष ने संपूर्ण क्रांति का नारा दिया। इन सबके बीच 25 जून 1975 की रात को राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद ने प्रधानमंत्री की सिफारिश पर देश में आपातकाल लागू कर दिया। इंदिरा गांधी ने कैबिनेट को विश्वास में नहीं लिया, आधी रात को राष्ट्रपति से चुपचाप आपातकाल लागू करवाया। कांग्रेस की संस्कृति रही है–परिवार पहले, संविधान बाद में।

'इंडिया इज़ इंदिरा' नारा कांग्रेस की लोकतंत्र विरोधी सोच का प्रतीक था। एक व्यक्ति, एक परिवार को देश से बड़ा समझना ही कांग्रेस की वैचारिक विकृति है। आपातकाल की घोषणा के साथ ही भारत की लोकतांत्रिक संस्थाएँ रातों रात बंधक बना दी गईं। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, व्यक्तिगत स्वतंत्रता, और न्यायिक संरक्षण जैसे मौलिक अधिकार स्थगित कर दिए गए। मीडिया पर कठोर सेंसरशिप लागू कर दी गई। विरोध करने वाले हजारों नेताओं, कार्यकर्ताओं, पत्रकारों, साहित्यकारों को बिना मुकदमे के जेलों में ठूंस दिया गया। 'इंदिरा इज़ इंडिया और इंडिया इज़ इंदिरा' जैसे नारे लगाने वालों को पुरस्कृत किया गया, जबकि आलोचकों को देशद्रोही बताकर प्रताड़ित किया गया।

आपातकाल के इस काले दौर में वामपंथियों ने इंदिरा गांधी का भरपूर समर्थन किया। इसके बदले में उन्हें प्रशासन और शिक्षा के क्षेत्र में ऊँचे पदों पर बिठाया गया। वे इतिहास, संस्कृति और पाठ्यक्रमों में अपने वैचारिक एजेंडे को लागू करने में सफल रहे। इससे देश की भावी पीढ़ी की सोच को प्रभावित करने की कोशिश की गई। इंदिरा गांधी के पुत्र संजय गांधी ने जनसंख्या नियंत्रण के नाम पर जबरन नसबंदी का अभियान चलाया। लाखों गरीब पुरुषों को जबरदस्ती नसबंदी के लिए बाध्य किया गया। दिल्ली में तुर्कमान गेट जैसी घटनाओं में, जब लोगों ने इसका विरोध किया, तो गोली चलवा दी गई, जिसमें अनेक लोग मारे गए। इस दौरान हजारों झुग्गियाँ और बस्तियाँ उजाड़ दी गईं, जिससे लाखों लोग बेघर हो गए।

वर्ष 1985 में लोकसभा में राजीव गांधी ने कहा- आपातकाल में कुछ भी गलत नहीं था। यह बयान बताता है कि कांग्रेस के डीएनए में लोकतंत्र के लिए कोई सम्मान नहीं, केवल परिवार और सत्ता से प्रेम है।

देवकीनन्दन खत्री

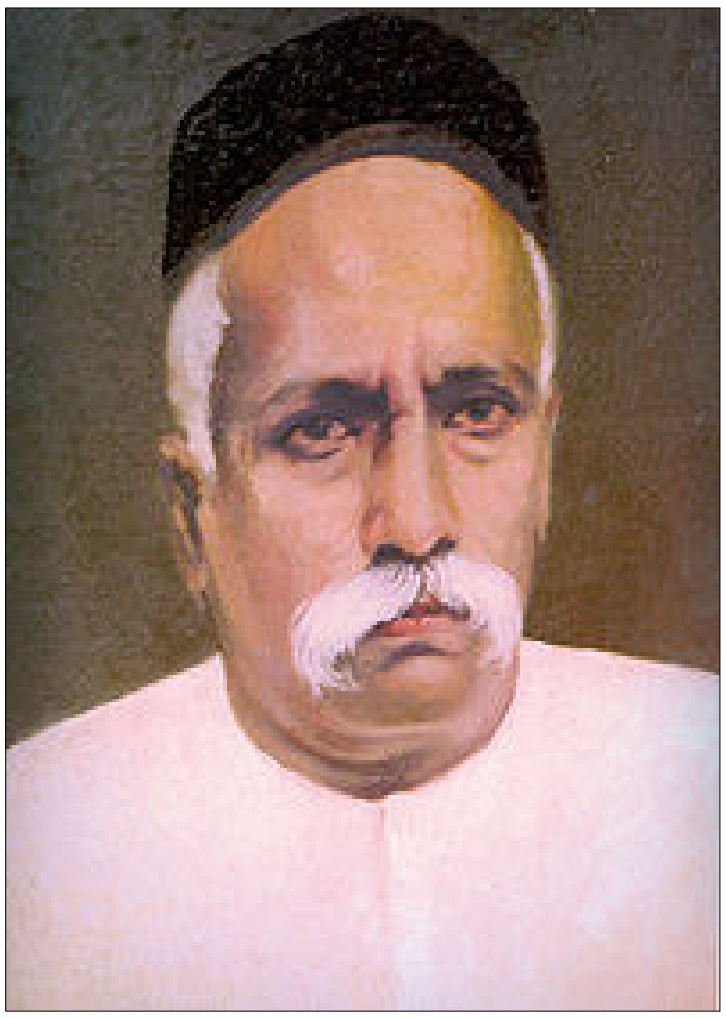

देवकीनन्दन खत्री हिन्दी के प्रथम तिलिस्मी लेखक थे। उन्होंने चंद्रकांता, चंद्रकांता संतति, काजर की कोठरी, नरेंद्र-मोहिनी, कुसुम कुमारी, वीरेंद्र वीर, गुप्त गोंडा, कटोरा भर और भूतनाथ जैसी रचनाएँ कीं। भूतनाथ को उनके पुत्र दुर्गा प्रसाद खत्री ने पूरा किया था। हिन्दी भाषा के प्रचार-प्रसार में उनके उपन्यास चंद्रकांता का बहुत बड़ा योगदान रहा है। इस उपन्यास ने सबका मन मोह लिया था। इस किताब का रसास्वादन करने के लिए कई गैर-हिन्दीभाषियों ने हिन्दी भाषा सीखी। बाबू देवकीनंदन खत्री ने तिलिस्म, ऐय्यार और ऐय्यारी जैसे शब्दों को हिन्दी भाषियों के बीच लोकप्रिय बना दिया।

जीवनी- देवकीनन्दन खत्री जी का जन्म 29 जून, 1861 (आषाढ़ कृष्ण पक्ष सप्तमी संवत् 1918) शनिवार को पूसा, मुजफ़्फ़रपुर, बिहार में हुआ था। उनके पिता का नाम लाला ईश्वरदास था। उनके पूर्वज पंजाब के निवासी थे और मुग़लों के राज्य काल में ऊँचे पदों पर कार्य करते थे। महाराज रणजीत सिंह के पुत्र शेरसिंह के शासन काल में लाला ईश्वरदास काशी (आधुनिक बनारस) आकर बस गये। देवकीनन्दन खत्री जी की प्रारम्भिक शिक्षा उर्दू-फ़ारसी में हुई थी। बाद में उन्होंने हिन्दी, संस्कृत एवं अंग्रेज़ी का भी अध्ययन किया।

व्यवसाय की शुरुआत- मुजफ़्फ़रपुर देवकीनन्दन खत्री के नाना-नानी का निवास स्थान था। आपके पिता लाला ईश्वरदास अपनी युवावस्था में लाहौर से काशी आए थे और यहीं रहने लगे थे। देवकीनन्दन खत्री का विवाह मुजफ़्फ़रपुर में हुआ था, और गया ज़िले के टिकारी राज्य में अच्छा व्यवसाय था। आरंभिक शिक्षा समाप्त कर वे टेकारी इस्टेट पहुँच गये और वहाँ के राजा के यहाँ कार्य करने लगे। बाद में उन्होंने वाराणसी में एक प्रिंटिंस प्रेस की स्थापना की और 1883 में हिन्दी मासिक पत्र सुदर्शन को प्रारम्भ किया।

लेखन की प्रेरणा- कुछ दिनों बाद उन्होंने महाराज बनारस से चकिया और नौगढ़ के जंगलों का ठेका ले लिया था। इस कारण से देवकीनंदन की युवावस्था अधिकतर उक्त जंगलों में ही बीती थी। देवकीनन्दन खत्री बचपन से ही घूमने के बहुत शौकीन थे। इस ठेकेदारी के कार्य से उन्हें पर्याप्त आय होने के साथ-साथ घूमने फिरने का शौक़ भी पूरा होता रहा। वह लगातार कई-कई दिनों तक चकिया एवं नौगढ़ के बीहड़ जंगलों, पहाड़ियों और प्राचीन ऐतिहासिक इमारतों के खंडहरों की खाक छानते रहते थे। बाद में जब उनसे जंगलों के ठेके वापिस ले लिए गये, तब इन्हीं जंगलों, पहाड़ियों और प्राचीन ऐतिहासिक इमारतों के खंडहरों की पृष्ठभूमि में अपनी तिलिस्म तथा ऐय्यारी के कारनामों की कल्पनाओं को मिश्रित कर उन्होंने चन्द्रकान्ता उपन्यास की रचना की। इन्हीं जगंलों और उनके खंडहरों से देवकीनन्दन खत्री को प्रेरणा मिली थी, जिसने चंद्रकांता, चंद्रकांता संतति, भूतनाथ ऐसे ऐय्यारी और तिलस्मी उपन्यासों की रचना कराई, जिसने आपको हिन्दी साहित्य में अमर बना दिया। आपके सभी उपन्यासों का सारा रचना तंत्र बिलकुल मौलिक और स्वतंत्र है। इस तिलस्मी तत्व में आपने अपने चातुर्य और बुद्धि-कौशल से ऐय्यारी वाला वह तत्व भी मिला दिया था, जो बहुत कुछ भारतीय ही है। यह परम प्रसिद्ध बात है कि 19वीं शताब्दी के अंत में लाखों पाठकों ने बहुत ही चाव और रुचि से आपके उपन्यास पढ़े और हज़ारों आदमियों ने केवल आपके उपन्यास पढ़ने के लिए हिन्दी सीखी। यही कारण है कि हिन्दी के सुप्रसिद्ध उपन्यास लेखक श्री वृंदावनलाल वर्मा ने आपको हिन्दी का शिराज़ी कहा है।

चन्द्रकांता की रचना- बाबू देवकीनन्दन खत्री ने जब उपन्यास लिखना प्रारम्भ किया, उस समय में अधिकतर हिन्दू लोग भी उर्दू भाषा ही जानते थे। इस प्रकार की परिस्थितियों में खत्री जी ने मुख्य लक्ष्य बनाया, ऐसी रचना करना जिससे देवनागरी हिन्दी का प्रचार व प्रसार हो। यह इतना सरल कार्य नहीं था। किंतु उन्होंने ऐसा कर दिखाया। चन्द्रकान्ता उपन्यास इतना लोकप्रिय हुआ कि उस समय जो लोग हिन्दी लिखना-पढ़ना नहीं जानते थे या केवल उर्दू भाषा ही जानते थे, उन्होंने केवल इस उपन्यास को पढ़ने के लिए हिन्दी सीखी इसी लोकप्रियता को ध्यान में रख कर उन्होंने इसी कथा को आगे बढ़ाते हुए दूसरा उपन्यास चन्द्रकान्ता सन्तति लिखा, जो चन्द्रकान्ता की अपेक्षा अधिक रोचक था। इन उपन्यासों को पढ़ते समय पाठक खाना-पीना भी भूल जाते थे। इन उपन्यासों की भाषा इतनी सरल है कि पाँचवीं कक्षा के छात्र भी इन पुस्तकों को पढ़ लेते हैं। पहले दो उपन्यासों के 2000 पृष्ठ से अधिक होने पर भी, एक भी क्षण ऐसा नहीं आता, जहाँ पाठक ऊब जाएँ।

प्रमुख रचनाएँ- चन्द्रकान्ता (1888 - 1892)= चन्द्रकान्ता उपन्यास को पढ़ने के लिये लाखों लोगों ने हिन्दी सीखी। यह उपन्यास चार भागों में विभक्त है। पहला प्रसिद्ध उपन्यास चंद्रकांता सन? 1888 ई. में काशी में प्रकाशित हुआ था। उसके चारो भागों के कुछ ही दिनों में कई संस्करण हो गए थे।

चन्द्रकान्ता सन्तति (1894-1904)= चन्द्रकान्ता की अभूतपूर्व सफलता से प्रेरित हो कर देवकीनन्दन खत्री ने चौबीस भागों वाले विशाल उपन्यास चंद्रकान्ता सन्तति की रचना की। उनका यह उपन्यास भी अत्यधिक लोकप्रिय हुआ।

भूतनाथ (1907-1913) (अपूर्ण)= चन्द्रकान्ता सन्तति के एक पात्र को नायक बना कर देवकीनन्दन खत्री जी ने इस उपन्यास की रचना की। किन्तु असामायिक मृत्यु के कारण वह इस उपन्यास के केवल छह भागों ही लिख पाये। आगे के शेष पन्द्रह भाग उनके पुत्र दुर्गाप्रसाद खत्री ने लिख कर पूरे किये। भूतनाथ भी कथावस्तु की अन्तिम कड़ी नहीं है। इसके बाद बाबू दुर्गाप्रसाद खत्री लिखित रोहतास मठ (दो खंडों में) आता है।

अन्य रचनाएँ

कुसुम कुमारी
वीरेन्द्र वीर उर्फ कटोरा भर खून
काजर की कोठरी
अनूठी बेगम
नरेन्द्र मोहिनी
गुप्त गोदना

लहरी प्रेस

चंद्रकांता से उत्साहित होकर आपने चंद्रकांता संतति, लिखना आरंभ कर दिया जिसके कुल 24 भाग हैं। दस वर्षों में ही बहुत अधिक कीर्ति और यश संपादित कर चुकने पर और अपनी रचनाओं का इतना अधिक प्रचार देखने पर सन 1898 ई में आपने अपने निजी प्रेस की स्थापना की। आप सदा से स्वभावत- बहुत ही लहरी अर्थात् मनमौजी और विनोदप्रिय थे। इसीलिए देवकीनन्दन खत्री ने अपने प्रेस का नाम भी लहरी प्रेस रखा था। देवकीनन्दन खत्री के उपन्यासों में कई ऐय्यारों और पात्रों के जो नाम आए हैं वे सब आपने अपनी मित्रमंडली में से ही चुने थे और इस प्रकार उन्होंने अपने अनेक घनिष्ट मित्रों और संगी साथियों को अपनी रचनाओं के द्वारा अमर बना दिया था।

हिन्दी साहित्य में स्थान

देवकीनन्दन खत्री की सभी कृतियों में मनोरंजन की जो इतनी अधिक कौतूहलवर्धक और रोचक सामग्री मिलती है, उसका सारा श्रेय देवकीनन्दन खत्री के अनोखे और अप्रतिम बुद्धिबल का ही है। हिन्दी के औपन्यासिक क्षेत्र का आपने आरंभ ही नहीं किया था, उसमें उन्होंने बहुत ही उच्च, उज्ज्वल और बेजोड़ स्थान भी प्राप्त कर लिया था। भारतेंदु के उपरांत आप प्रथम और सर्वाधिक प्रकाशमान तारे के रूप में हिन्दी साहित्य में आए थे।

निधन

खेद है कि देवकीनन्दन खत्री ने अधिक आयु नहीं पाई और प्रायः 52 वर्ष की अवस्था में ही काशी में 1 अगस्त, 1913 को आप परलोकवासी हो गए।

मीशो की हुई बल्ले-बल्ले, 4250 करोड़ रुपये का आईपीओ लाने की मिली मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म मीशो को अपना आईपीओ लॉन्च करने के लिए उसके शेयरधारकों से मंजूरी मिल गई है। रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज के पास दाखिल दस्तावेजों के अनुसार कंपनी आईपीओ के जरिए 4,250 करोड़ रुपये यानी करीब 500 मिलियन डॉलर रुपये जुटाना चाहती है।

यह ई-कॉमर्स प्लेटफार्म पिछले सप्ताह ही अमेरिका से भारत शिफ्ट हुआ है। पहले इसने खुद को अमेरिका में रजिस्टर करा रखा था लेकिन आईपीओ लाने के लिए उसे भारत में रजिस्टर होना जरूरी था। इसलिए कंपनी ने खुद को भारत में शिफ्ट किया। यह प्लेटफॉर्म सेबी के गोपनीय मार्ग के तहत अपना ड्राफ्ट आईपीओ प्रॉस्पेक्टस दाखिल करेगा।

शेयरधारकों से मिली हरी झंडी- कंपनी ने फाइलिंग में कहा, प्रस्तावित पेशकश में 4,250 करोड़ रुपये तक के फ्रेस इक्विटी शेयर और कंपनी के कुछ मौजूदा शेयरधारकों द्वारा इक्विटी शेयरों की बिक्री की पेशकश शामिल होगी।

मीशो के शेयरधारकों ने संस्थापक विदित आत्रे को कंपनी का अध्यक्ष, प्रबंध निदेशक और सीईओ नियुक्त करने की योजना को भी मंजूरी दी।

मीशो में कई बड़े निवेशकों की हिस्सेदारी है। इसमें एलिवेशन कैपिटल, पीक ड्रब्ल्यू पार्टनर्स जैसे निवेश कंपनी में बड़ी हिस्सेदारी रखते हैं। इन सभी के पास 13 फीसदी से 15 फीसदी तक की हिस्सेदारी है। जापान के सॉफ्टबैंक के पास भी मीशों में 10 फीसदी की हिस्सेदारी है।

कम हुई थई वैल्यूएशन- मीशो की आखिरी फंडिंग राउंड 250 मिलियन से लेकर 270 मिलियन डॉलर की थी। इस फंडिंग के बाद कंपनी की वैल्यूएशन 3.9 बिलियन है। फंडिंग राउंड के बाद इसे पिछले 4.9 बिलियन के मूल्यांकन से समायोजित किया गया है।

इस आईपीओ के साथ, मीशो भारत में शेयर बाजारों में लिस्ट होने वाला पहला होरिजेंटल ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म बनेगा। इसके अन्य कंपटीटर वॉलमार्ट के स्वामित्व वाली फ्लिपकार्ट भी अगले साल IPO ला सकती है।

Tata का ये म्यूचुअल फंड है धमाका, तीन महीने में 43% का रिटर्न देकर बना टॉप परफॉर्मर

नई दिल्ली (एजेंसी)। म्यूचुअल फंड अपने तगड़े रिटर्न के चलते निवेशकों के बीच आज पॉपुलर हो गया है। हालांकि म्यूचुअल फंड में मिलने वाला रिटर्न बाजार के उतार-चढ़ाव पर निर्भर करता है। म्यूचुअल फंड में न्यूनतम 12 से 14 फीसदी रिटर्न मिला है।

हम बात कर रहे हैं, Tata Nifty Capital Markets Index Fund की। इस फंड ने अब तक 7.96 फीसदी का लो रिटर्न दिया है। इस फंड ने 3 महीने में निवेशकों को 43.37 रिटर्न दिया है। इसका Expense Ratio 0.52 फीसदी का है। वहीं इसका पीई रेश्यो 53.49 फीसदी है।

आप इस म्यूचुअल फंड में 5000 रुपये के न्यूनतम एसआईपी के साथ निवेश कर सकते हैं। इसका लॉगइन पीरियड शून्य है।

कैसे कर सकते हैं निवेश- अगर आप इस म्यूचुअल फंड में निवेश करना चाहते हैं, तो किसी भी ब्रोकरेज ऐप का इस्तेमाल कर सकते हैं। मौजूदा समय में Coins, Groww इत्यादि है। आप इस फंड में लमसम (इकट्ठा) या एसआईपी (किस्तों) में निवेश कर सकते हैं। हालांकि इस फंड में 5000 रुपये से कम पर निवेश नहीं किया जा सकता है।

एसआईपी के जरिए आप निवेश की गई रकम का अमाउंट भी बढ़ा सकते हैं। या Step-up की सुविधा से अमाउंट को हर महीने या निधारित समय में कुछ फीसदी बढ़ा सकते हैं। इसके साथ ही आप जब

चीन की नाक के नीचे इस भारतीय कंपनी ने श्रीलंका में की बड़ी स्ट्रेटेजिक डील

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई स्थिति डिफेंस शिपयार्ड मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड ने श्रीलंका की कोलंबो डॉकयार्ड पीएलसी में एक बड़ी हिस्सेदारी खरीदी है। चीन की नाक के नीचे भारत की कंपनी ने बड़ी डील हासिल करके समंदर में अपनी ताकत का परचम लहराया है। मझगांव डॉक ने लगभग 452 करोड़ रुपये के नकद सौदे में कोलंबो डॉकयार्ड पीएलसी में एक 51 फीसदी हिस्सेदारी हासिल की है।

हिंद महासागर में बढ़ेगी भारत की ताक- यह भारत के सबसे बड़े शिपयार्ड द्वारा पहला अंतरराष्ट्रीय अधिग्रहण है। यह कंपनी पनडुब्बियों, युद्धपोतों और अन्य जहाजों का निर्माण करता है। यह कदम भारत को हिंद महासागर क्षेत्र में एक रणनीतिक पैर जमाने में भी मदद करेगा। इस क्षेत्र में चीन अपनी बैठ बढ़ा रहा है। ऐसे में भारत के लिए यह डील बहुत ही महत्वपूर्ण है।

मझगांव शिपबिल्डर्स ने एक रेगुलेटरी फाइलिंग में कहा कि यह अधिग्रहण अनुसंधान विकास क्षमताओं को बढ़ाकर और बाजार पहुंच का विस्तार करके जहाज मरम्मत और जहाज निर्माण उद्योग में अपनी स्थिति को मजबूत करने के लिए कंपनी की दीर्घकालिक विकास में मदद करता दिख रहा है।

शेयर खरीद के जरिए किया जाएगा निवेश- रिपोर्ट के अनुसार मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड श्रीलंका की कोलंबो डॉकयार्ड पीएलसी में प्राथमिक निवेश 452 करोड़ रुपये का निवेश प्राथमिक निवेश और secondary share purchases के जरिए करेगी। इसमें सबसे अधिक शेयर धारक Onomichi Dockyard Co Ltd के शेयरों को खरीदना भी शामिल है।

वॉरेन बफेट ने दान में दे दिए 51 हजार करोड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया के 5वें सबसे अमीर व्यक्ति वॉरेन बफेट ने रिकॉर्ड दान किया है। Warren Buffett ने गेट्स फाउंडेशन और चार फैमिली चैरिटी को बर्कशायर हैथवे के 6 बिलियन डॉलर शेयर यानी 600 करोड़ डॉलर दान किए। इसकी कीमत करीब 51291 करोड़ रुपये है। रिपोर्ट के अनुसार दान करने के बाद वॉरेन बफेट दुनिया के 5वें सबसे अमीर व्यक्ति की लिस्ट से खिसक कर 6वें नंबर पर आ गए हैं।

रिकॉर्ड दान करने के बाद भी वॉरेन बफेट के पास अभी भी बर्कशायर के 13.8% शेयर हैं। फोर्ब्स मैग्जीन के अनुसार, शुक्रवार के दान से पहले उनकी 152 बिलियन की कुल संपत्ति ने उन्हें दुनिया का पांचवां सबसे अमीर व्यक्ति बना दिया। दान के बाद बफेट छठे स्थान पर पहुंच गए।

वॉरेन बफेट ने किसको दिया कितना दान - वॉरेन बफेट ने गेट्स फाउंडेशन को 9.43 मिलियन शेयर, सुजैन थॉम्पसन बफेट फाउंडेशन को 943,384 शेयर। और अपने बच्चों हॉवर्ड, सूजी और पीटर द्वारा संचालित तीन चैरिटी संस्थाओं हॉवर्ड जी. बफेट फाउंडेशन, शेरवुड फाउंडेशन और नोवो फाउंडेशन में से प्रत्येक को 660,366 शेयर दान किए हैं।

5वें से छठे नंबर पर आए वॉरेन बफेट- फोर्ब्स पत्रिका के अनुसार, शुक्रवार के दान से पहले वॉरेन बफेट की कुल संपत्ति 152 बिलियन डॉलर थी।

लड़ाकू विमान बनाने वाली सरकारी कंपनी बांटेगी 300त्न का भारी भरकम डिविडेंड

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकारी डिफेंस कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड ने वित्त वर्ष 25 के लिए प्रति इक्विटी शेयर पर 15 रुपये का डिविडेंड देने की घोषणा की है। 5 रुपये की फेस वैल्यू वाले इक्विटी शेयर पर कंपनी 300त्न का डिविडेंड दे रही है। डिविडेंड की रिकॉर्ड डेट भी सामने आ गई है। अब इस पर आखिरी मुहर एनुअल जनरल मीटिंग में लगेगी। मंजूरी मिलने पर, AGM की तारीख से 30 दिनों के भीतर डिविडेंड की राशि सीधे शेयरधारकों के खाते में भेज दी जाएगी।

HAL के डिविडेंड की रिकॉर्ड डेट- HAL ने एक फाइलिंग में कहा, अंतिम डिविडेंड के लिए शेयरधारकों की पात्रता निर्धारित करने की रिकॉर्ड तिथि गुरुवार, 21 अगस्त 2025 तय की गई है, जो AGM के दौरान शेयरधारकों की मंजूरी पर निर्भर है। बोर्ड ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए लागत लेखा परीक्षक के रूप में मेसर्स मूर्ति एंड कंपनी एलएलपी, लागत और प्रबंधन लेखाकार की नियुक्ति को भी मंजूरी दे दी है।

इससे पहले फरवरी में कंपनी ने 25 रुपये प्रति इक्विटी शेयर के हिसाब से डिविडेंड दिया था। अब यह वित्त वर्ष 2025 का दूसरा डिविडेंड होगा। वित्त वर्ष 24 में, HAL ने 13 प्रति शेयर का फाइनल डिविडेंड दिया था।

मुनाफे में आई थी कम- लड़ाकू विमान वाली इस सरकारी कंपनी में भारत सरकार की 71.64% हिस्सेदारी है। इस डिविडेंड से भारत सरकार को 718.6 करोड़ रुपये का डिविडेंड प्राप्त होगा। लड़ाकू जेट निर्माता HAL का पिछले वित्त वर्ष की चौथी तिमाही शुद्ध मुनाफा घटकर 3,977 करोड़ रुपये रह गया, जो एक वर्ष पूर्व इसी तिमाही में 4,309 करोड़ रुपये था।

विश्लेषकों ने कहा था कि तेजस एमके 1ए हल्के लड़ाकू विमान की आपूर्ति में देरी के कारण HAL के रेवेन्यू में फिर गिरावट आ सकती है। हालांकि पूरी तिमाही के दौरान रक्षा क्षेत्र में ऑर्डर गतिविधि स्थिर रही।

पिछले सप्ताह कंपनी ने इसरो के छोटे उपग्रह प्रक्षेपण यान के निर्माण और डिजाइन के लिए टॉप बिडर के रूप में सामने आई। वह उपग्रह प्रक्षेपण यान की पूरी तकनीक ट्रांसफर प्राप्त करने वाली पहली भारतीय कंपनी बन गई है।

शुक्रवार को हस्थ्र पर HAL के शेयर 1.61% की बढ़त के साथ 4,894.7 पर बंद हुए। यह शेयर पिछले हफ्ते 1.51% और जून की शुरुआत से 1.53त्न की गिरावट के साथ सुर्खियों में रहा है। इस साल अब तक हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स के शेयर 17.37 फीसदी का रिटर्न दे चुके हैं।

ये 5 राज्य करते हैं देश में आधे से अधिक अनाज का उत्पादन

नई दिल्ली (एजेंसी)। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय ने कृषि और संबद्ध क्षेत्र के उत्पादन की वैल्यू पर रिपोर्ट जारी की है। यह स्टैटिस्टिकल रिपोर्ट वित्त वर्ष 2011-12 से 2023-24 तक की है। रिपोर्ट में फसल, पशुपालन, वानिकी और मछली पालन जैसे सेगमेंट के उत्पादन की वैल्यू बताई गई है।

रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2011-12 में कृषि और संबद्ध क्षेत्र के उत्पादन की वैल्यू (ग्रॉस वैल्यू एडेड-GVA) मौजूदा मूल्यों पर 15.02 लाख करोड़ रुपए थी। यह 2023-24 में 48.78 लाख करोड़ रुपए हो गई। इस तरह इसमें करीब 225त्न की वृद्धि हुई है। वर्ष 2013-14 में कृषि और संबद्ध क्षेत्र का जीवीए 19.26 लाख करोड़ रुपए था। इस तरह पिछले 10 वर्षों में देखें तो कृषि क्षेत्र का जीवीए 153% बढ़ा है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

रिटायरमेंट से 2 दिन पहले अधिकारी की काली करतूत, रिश्वत लेते हुए लोकायुक्त टीम ने रंगे हाथों पकड़ा, दुकानदार से मांगी थी घूस

सागर। सागर लोकायुक्त की टीम ने शनिवार को सागर शहर में बड़ी कार्यवाही को अंजाम देते हुए वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी संतोष कुमार जैन को ?50,000 की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ा है। लोकायुक्त पुलिस ने आरोपी संतोष कुमार जैन पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराओं के तहत कार्यवाही की है।50 हजार रुपये की ले रहा था रिश्वत

लोकायुक्त डीएसपी संजय कुमार जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि पुरानी गल्ला मंडी में खुशहाल कृषि सेवा केंद्र के विक्रेता सुनील कुमार जैन ने शुक्रवार को लोकायुक्त कार्यालय आकर शिकायत दर्ज कराई थी वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी संतोष कुमार जैन उनकी दुकान का लाइसेंस नवीनीकरण के लिए आवश्यक प्रिंसिपल सर्टिफिकेट बनवाने और मक्का का सैंपल उनके पक्ष में करने के एवज में 1 लाख रूपए की रिश्वत की मांग कर रहे हैं। जिसमें सुनील कुमार जैन ने ?10,000 मौके पर दिए और बाकी ?50,000 शनिवार को दुकान पर देने की बात तय हुई।

लोकायुक्त टीम ने शिकायत का सत्यापन कराया

उसके बाद आज शनिवार दोपहर 2ः00 बजे पुरानी गल्ला मंडी स्थित सुनील कुमार जैन की खुशहाल कृषि सेवा केंद्र की दुकान से वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी संतोष कुमार जैन को ?50,000 की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकडा है, मौके पर हाथ धुलाए तो उनके हाथ लाल हो गए। लोकायुक्त पुलिस ने आरोपी संतोष कुमार जैन पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराओं के तहत कार्यवाही की है।

जबलपुर में पदस्थ आयकर अधिकारी के घर में घुसे चोर, पकड़े जाने के डर से ईंट से हमला कर भागे

सतना। एक वर्ष पूर्व सतना से स्थानांतरण होकर जबलपुर में आयकर अधिकारी के तौर पर अपनी सेवाएं दे रहे इनकम टैक्स ऑफिसर के घर में शुक्रवार-शनिवार की दरम्यानी रात पांच अज्ञात चोरों ने धावा बोल दिया। लेकिन जैसे मकान के मालिक की आने के आहट मिली तो सभी चोर दीवार भांदकर भागने का प्रयास करने लगे तो अपने घर के अंदर से पांच लोगों को भागते देख इनकम टैक्स अधिकारी उन्हें पकडऩे का प्रयास किया। लेकिन चोरों ने ईंट से हमलाकर उन्हें घायल करते हुए भाग खड़े हुए।इस संबंध में सिविल लाइन थाना प्रभारी योगेन्द्र सिंह परिहार द्वारा बताया गया कि पीड़ित आयकर अधिकारी महेन्द्र गुप्ता व उनकी पत्नी अल्पना गुप्ता द्वारा बताया गया कि शुक्रवार की रात करीब दो बजे वह दिल्ली से आ रहीं अपनी बिटिया को लेने रेल्वे स्टेशन गए हुए थे।

स्टेशन से बेटी को लेकर जैसे ही दोनों दम्पत्ती अपने घर पहुंचकर अपनी गाड़ी पार्क की।

वैसे ही करीब पांच की संख्या में मुंह बांधे हुए चोर उनके घर के अंदर से दीवार फांदकर भागने का प्रयास करते दिखे।

उन्?हें पकड़ने के लिए महेन्द्र जैसे ही प्रयासरत हुए , वैसे ही उन्हीं पांच में से अन्य चोरों ने पति व पत्नी के ऊपर ईंट से हमला कर दिया। इस हमले में महेन्द्र व उनकी पत्नी अल्पना घायल हो गई और मौके का फायदा उठाकर सभी चोर वहां से चम्पत हो गए।

इस पूरी वारदात में आयकर अधिकारी महेन्द्र गुप्ता के सिर पर हुए ईंट के हमले से छह टांके आए है। जबकि उनकी पत्नी को गंभीर रुप से अंदरूनी चोटें आई है।

फॉरेसिंक टीम के साथ पहुंचे थाना प्रभारी-घटना की जानकारी लगते ही मौके पर सिविल लाइन थाना प्रभारी योगेन्द्र सिंह परिहार फोरेंसिक टीम के साथ मौके स्थल पर पहुंचकर गहनता से जांच की। इस दौरान फारेसिंक टीम ने घटना स्थल से फिंगर प्रिंट इत्यादि के सैम्पल संग्रहित किए। पुलिस ने बताया कि वह इस मामले की गहनता से जांच कर रहीं है। बहुत जल्द सभी चोरों को पुलिस गिरफ्तार कर लेंगी।

कुछ नगदी समेत गहने हुए चोरी-महेन्द्र गुप्ता ने सिविल लाइन थाना प्रभारी को बताया कि चोरों के हमले से घायल होने के बाद वह सीधे जिला चिकित्सालय पहुंचकर प्राथमिक उपचार के बाद वापस घर लौटे। जहां उनके द्वारा जांच करने में पता चला कि उनकी पत्नी के पास बचाए हुए लगभग 3500 के करीब नगदी व उसके गहने चोरी हुए है। जिनके मूल्यांकन पुलिस कर रहीं है।

दो हफ्ते पूर्व हुए शिफ्ट-महेन्द्र गुप्ता ने बताया कि वह करीब एक साल पहले सतना इनकम टैक्स कार्यालय से जबलपुर के लिए स्थानांतरण हुआ। इस दौरान कोठी रोड स्थित ग्रीन पार्क में उन्होने नव घर का निर्माण कार्य चल रहा था, जो जून माह में ही पूरा हुआ। करीब दो हफ्ते पूर्व ही वह व उनका परिवार अपने नए घर में शिफ्ट हुआ था और उनके साथ यह घटना घटित हो गई।

ग्वालियर पुलिस में 88 दागदार वर्दीधारी! 22 पर केस दर्ज, कई थानों में तैनात, जल्द हटाने की तैयारी

ग्वालियर। ग्वालियर में दागदार पुलिस वालों की भरमार है। ऐसे 88 पुलिसकर्मी हैं, जिन पर गंभीर आरोपों के चलते विभागीय जांच और एफआईआर (स्नङ्घक्र) तक दर्ज हैं। 88 में से 22 पुलिसकर्मी ऐसे हैं, जिन पर मारपीट, धोखाधड़ी और आत्महत्या के लिए उकसाने व अन्य गंभीर धाराओं में केस दर्ज हैं। इसके बावजूद यह दागदार पुलिसकर्मी थानों में सेवाएं दे रहे हैं। ग्वालियर में जो दागदार पुलिसकर्मी हैं, उनमें से 80 प्रतिशत की तैनाती थानों और पुलिस की महत्वपूर्ण इकाइयों में है। तीन निरीक्षक थानों की कमान संभाल रहे हैं, एक दरोगा पर तो सोना-खुर्द-बुर्द करने का आरोप है। इसके बावजूद थाना प्रभारी है लेकिन अब ऐसे पुलिसकर्मियों को लाइन हाजिर करने की तैयारी है। इसकी वजह है- पुलिस मुख्यालय की सख्ती। यह सूची तैयार हो चुकी है। अब जल्द ही इन्हें थानों से हटाने के आदेश जारी हो सकते हैं।थानों की कमान संभाल रहे दागदार

डीजीपी कैलाश मकवाना द्वारा पूरे प्रदेश में पुलिस की छवि सुधारने के लिए पिछले एक माह में जमीनी स्तर पर विशेष प्रयास किए गए हैं। सबसे पहले थानों में सालों से तैनात पुलिसकर्मियों को हटाया गया। फिर बाबुओं को दफ्तरों से हटाने के आदेश हुए। 17 जून को डीजीपी की पहल पर ही स्पेशल डीजी प्रशासन आदर्श कटियार ने सभी पुलिस अधीक्षक और इंदौर, भोपाल के पुलिस आयुक्त को पत्र जारी किया कि ऐसे पुलिसकर्मी जिनके विरुद्ध विभागीय जांच व आपराधिक प्रकरण चल रहे हैं, उन्हें थानों से हटाया जाए।

इस आदेश के बाद प्रदेशभर में दागी पुलिसकर्मियों में खलबली मची हुई है। इस आदेश के बाद ही ग्वालियर में ऐसी सूची तैयार कराई गई है। इसमें 66 पुलिसकर्मी ऐसे हैं, जिन पर विभिन्न आरोपों के चलते विभागीय जांच चल रही है। साथ ही 22 पर आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। अभी इसमें और भी नाम बढ़ सकते हैं।

किस-किस पर लगे हैं आरोप?

1. एसआई महेंद्र प्रजापति ङ्क सोना खुर्दबुर्द का आरोप, फिर भी थाना प्रभारी

2. प्रशांत शर्मा ङ्क माधोगंज टीआई, विवादों में रहे3. अमित शर्मा ङ्क क्राइम ब्रांच प्रभारी

4. यशवंत गोयल ङ्क डबरा सिटी टीआई

स्ढ्ढ प्रजापति पर कई गंभीर आरोप लगे हैं, इसके बावजूद इन्हें थाने की कमान मिल गई। एसआई प्रजापति पूर्व में टेकनपुर चौकी प्रभारी थे। अक्टूबर 2022 में टेकनपुर चौकी प्रभारी रहते हुए सराफा कारोबारी सम्यक जैन की कार चेकिंग में रोकी थी। इसमें करीब 943 ग्राम सोना मिला था। इसमें से बिना बिल का सोना खुर्द-बुर्द करने का आरोप एसआई महेंद्र प्रजापति पर लगा था। एसआई महेंद्र प्रजापति और आरक्षक रहीश को तत्कालीन पुलिस अधीक्षक द्वारा लाइन हाजिर किया गया था। इसके अलावा भी विवादित रहे हैं। डीजीपी द्वारा दागदार पुलिसकर्मियों को हटाए जाने के आदेश दिए, इसके बाद एसआई प्रजापति को बेहट थाने का प्रभार दिया गया। इस आदेश को लेकर तमाम तरह की चर्चाएं पुलिस महकमे में हैं। एक राजनीतिक रसूखदार की सिफारिश पर पदस्थापना की भी खबर है। कयास लगाए जा रहे हैं कि इनकी भी रवानगी होगी।

88 दागी पुलिसकर्मी ग्वालियर के ही हैं। इनमें से 66 पर विभागीय जांच और 22 पर आपराधिक मुकदमे चल रहे हैं। 80त्न पुलिसकर्मी थानों या प्रमुख पदों पर तैनात हैं। सूत्रों की मानें तो इन अधिकारियों को जल्द लाइन हाजिर किया जाएगा। हालांकि कुछ रसूखदार सिफारिशों के चलते यह प्रक्रिया धीमी चल रही है। किस पर आपराधिक प्रकरण दर्ज है, यह रिकार्ड नहीं है। इसलिए, पुलिसकर्मियों से ही शपथपत्र लिया जा रहा है कि उनके खिलाफ कोई विभागीय जांच या आपराधिक प्रकरण लंबित नहीं है। पुलिस मुख्यालय के आदेश के बाद दागदार खाकीधारी स्थापना शाखा में जोड़तोड़ से लेकर अफसरों तक से सिफारिश लगा रहे हैं। जिससे यह बच जाएं।

देवास जिले के बड़ियामांडू में रंजिश में लकड़ियों से पीटकर व्यक्ति की हत्या

देवास। देवास अंचल के हाटपीपल्या थाना क्षेत्र के गांव बड़ियामांडू में रंजिश के चलते एक व्यक्ति पर कुछ लोगों ने गुरुवार रात को हमला कर दिया। लकड़ियों से पीटा गया जिससे सिर, पैर में गंभीर चोट आई। हाटपीपल्या में प्राथमिक उपचार के बाद देवास जिला अस्पताल में शुक्रवार सुबह भर्ती करवाया गया जहां उपचार के दौरान शनिवार अल सुबह व्यक्ति ने दम तोड़ दिया। पीएम के बाद शव दोपहर में स्वजनों के सुपुर्द किया गया।

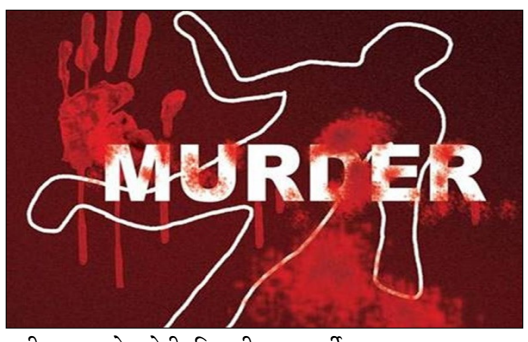

जानकारी के अनुसार बड़ियामांडू के समीप ग्राम मेरूखेड़ी निवासी 55 वर्षीय हमीरलाल पुत्र जग्गा पर गुरुवार देररात बड़ियामांडू में कुछ लोगों ने हमला कर दिया था। बाद में इसकी सूचना बड़ियामांडू में ही रहने वाले हमीर के रिश्तेदार रमेश को मिली। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई, एंबुलेंस की मदद से हमीर को हाटपीपल्या के सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया।यहां प्राथमिक उपचार के बाद देवास जिला अस्पताल रेफर कर दिया। शुक्रवार सुबह से जिला अस्पताल में उपचार शुरू हुआ। शनिवार अल सुबह हमीर ने दम तोड़ दिया। सूचना मिलने पर स्वजन जिला अस्पताल पहुंचे जहां कोतवाली पुलिस द्वारा पीएम करवाया गया। जिला अस्पताल प्रबंधन से मिली जानकारी के अनुसार सिर में गंभीर चोट लगने से व्यक्ति की मौत हुई है।तंबाकू को लेकर हुई थी कुछ दिन पहले कहासुनी...

पीएम करवाने आए स्वजनों ने बताया कुछ दिन पूर्व हमीर की कहासुनी एक व्यक्ति से उस समय हुई थी जब हमीर ने सैलून दुकान संचालक से खाने के लिए तंबाकू मांगी थी। आशंका है कि उसी व्यक्ति ने साथियों के साथ मिलकर लाठी, डंडों से हमीर पर हमला किया। हमको मौके पर कई लकड़ियां टूटी हुई मिली थी।गंभीर घायल एक व्यक्ति की जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हुई है। पीएम करवा दिया गया है। मामले में शून्य पर मर्ग कायम करके आगे की जांच के लिए प्रकरण हाटपीपल्या पुलिस थाना भिजवाया जा रहा है।

- श्यामचंद शर्मा, टीआई कोतवाली थाना देवास।

जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने कनाड़िया सिविल अस्पताल निर्माण कार्य का किया निरीक्षण

निर्माण आगामी 100 दिवस में पूर्ण करने के दिए निर्देश- समय सीमा में कार्य नहीं करने पर ठेकेदार को किया जाएगा ब्लैक लिस्टेड

इंदौर। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने आज इंदौर के कनाड़िया क्षेत्र में लगभग 10 करोड़ रुपये की लागत से निर्माणाधीन सिविल अस्पताल की प्रगति का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मंत्री श्री सिलावट ने निर्माण कार्य में हो रही देरी पर असंतोष व्यक्त किया और कार्य में तेज़ी लाने के सख्त निर्देश दिए।

उन्होंने स्पष्ट कहा कि निर्माण कार्य आगामी 100 दिवस के भीतर हर हाल में पूर्ण किया जाए, ताकि स्थानीय नागरिकों को जल्द से जल्द स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल सके। उन्होंने यह भी कहा कि निर्माण कार्य की साप्ताहिक समीक्षा की जाएगी और यदि कार्य निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण नहीं होता है, तो संबंधित ठेकेदार को ब्लैक लिस्ट किया जाएगा।

श्री सिलावट ने बताया कि कार्य की प्रगति और गुणवत्ता की निरंतर निगरानी सुनिश्चित करने हेतु एक संयुक्त समिति गठित की गई है, जिसमें संबंधित क्षेत्र के प्रशासनिक अधिकारी और जनप्रतिनिधि सम्मिलित है। यह समिति कार्य की सतत समीक्षा कर आवश्यक सुझाव एवं सुधार सुनिश्चित करेगी।

निरीक्षण के दौरान जल संसाधन मंत्री श्री सिलावट के साथ संबंधित विभागों के अधिकारी भी उपस्थित थे। उन्होंने मौके पर मौजूद इंजीनियरों से विस्तृत जानकारी ली और निर्माण की तकनीकी चुनौतियों की समीक्षा की। इस अस्पताल का निर्माण कार्य मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम द्वारा किया जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों से भी कहा कि वे सतत मॉनिटरिंग कर कार्य को निर्धारित समय में पूरा करवायें।

बताया गया कि भवन की संरचना का 95 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो गया है। कार्य की फिनिशिंग और शेष निर्माण कार्य निर्धारित समयावधि में पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया गया। इस अवसर पर जनपद पंचायत अध्यक्ष इंदौर श्री विश्वजीत सिंह सिसोदिया, एसडीएम श्री ओमनारायण बड़कुल, प्रोजेक्ट इंजीनियर पुलिस हाउसिंग श्री किशन विधानी, अपर आयुक्त नगर निगम श्री डी.आर. लोधी, डॉ. सुमित शुक्ला, डॉ. गिरधारी सोनी, डॉ. दीपा, श्री कमल पटेल, श्री दिलीप ठाकुर सहित निर्माण एजेंसी के अधिकारी और इंजीनियर मौजूद रहें।

प्रीवेंटिव हेल्थ केयर शिविर का सैकड़ों नागरिकों ने उठाया लाभ

इंदौर। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह की पहल पर गेरसंचारी रोगों की रोकथाम के लिये इंदौर में स्वास्थ्य विभाग और अरविंदो मेडिकल कॉलेज द्वारा प्रीवेंटिव हेल्थ केयर शिविर आयोजन का सिलसिला जारी है। इसी क्रम में शुक्रवार को खजराना गणेश मंदिर परिसर में प्रीवेंटिव हेल्थ केयर शिविर का आयोजन किया गया। इस स्वास्थ्य जांच शिविर में कुल 515 नागरिकों ने अपना पंजीयन कराया। शिविर में कैंसर, टीबी, हड्डी, हार्ट, लीवर एवं गठिया रोग, दंत रोग, नेत्र रोग आदि से जुड़ी 1700 से अधिक जाँचें की गईं। इनमें मुख्य रूप से 93 ईसीजी, 96 फाइब्रोस्कैन, 379 एचबी, 379 आरबीएस, 190 एसजीपीटी, 190 एसजीओटी, 190 लिपिड प्रोफाइल, 103 ईको, 72 यूएसजी, 38 मैमोग्राफी, 123 जनरल मेडिसिन, 110 कार्डियोलॉजी, 96 गैस्ट्रोलॉजी, 73 ब्रेस्ट लंप स्क्रीनिंग, 10 आर्थोपेडिक, 20 पेपस्मेयर, 52 गायनेकोलॉजी, 26 रूमेटोलॉजी, 73 कैंसर स्क्रीनिंग, 40 डेंटल चेकअप, 136 ऑप्थेलमिक चेकअप आदि हैं। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह ने बताया कि नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुरक्षा उपलब्ध कराने और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने की दिशा में यह आयोजन किया जा रहा है। इस शिविर का उद्देश्य न केवल आमजन को स्वास्थ्य सुविधा देना है बल्कि उन्हें समय रहते रोगों की पहचान रोकथाम में भी मदद पहुंचाना है। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह ने नागरिकों से अपील की है कि वे इन शिविरों का अधिक से अधिक लाभ उठायें।

28 जून शनिवार को पुष्य नक्षत्र, इंदौर के आयुष अस्पतालों में होगा बच्चों का स्वर्णप्राशन

इंदौर। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह के निर्देश पर 28 जून शनिवार को पुष्य नक्षत्र के अवसर पर शहर के आयुर्वेदिक अस्पतालों में बच्चों को स्वर्णप्राशन दवा पिलाई जाएगी। 6 माह से 12 साल तक के बच्चों में इम्युनिटी को बनाए रखने और स्मरण शक्ति को बढ़ाने के लिए इस दवा का खुराक हर बच्चे को देना आवश्यक है। बताया गया कि संभागायुक्त के निर्देश पर हर पुष्य नक्षत्र पर स्वर्णप्राशन दवा पिलाई जाने की व्यवस्था है।

जिला आयुष अधिकारी डॉ. हंसा बारिया ने बताया कि पुष्य नक्षत्र पर लोकमान्य नगर और राऊ के आयुर्वेदिक अस्पतालों में ये दवा पहले से ही बच्चों को पिलाई जा रही है। शासकीय आयुर्वेद औषधालय खजराना, परदेशीपुरा, मांगलिया, छोटा बांगड़दा, आयुष विंग जिला अस्पताल धार रोड और टिगरिया बादशाह के आयुष अस्पतालों में भी दवा की खुराक पिलायी जाएगी।

स्वर्णप्राशन दवा में होती हैं ये औषधियां- अष्टांग आयुर्वेदिक कॉलेज के प्रोफेसर डॉ. धर्मेंद्र शर्मा और डॉ. अंकिता जैन ने बताया कि स्वर्णप्राशन दवा की खुराक हर बच्चे को लेनी चाहिए। इस आयुर्वेदिक दवा में स्वर्ण भस्म, वचा, शंखपुष्पी, ब्राह्मी, मुलेठी, शतावरी, गुडूची, अश्वगंधा, स्वर्णमाक्षिक, अभ्रक भस्म, मंडूर भस्म, गौघृत और शहद जैसे महत्वपूर्ण घटक और द्रव्य शामिल होते हैं।

30 जुलाई तक डूब प्रभावित क्षेत्रों में शिविर लगाकर विस्थापितों के पुनर्वास की व्यवस्था सुनिश्चित करें- संभागायुक्त श्री सिंह

इंदौर। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह की अध्यक्षता में संभागायुक्त कार्यालय में सरदार सरोवर परियोजना के पुनर्वास कार्यों की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में संयुक्त आयुक्त विकास श्री डी.एस. रणदा, नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण के श्री शैलेन्द्र सोलंकी, उप संचालक श्रीमती पूर्णिमा सिंघी, संभाग के जिलों के अनुविभागीय अधिकारी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। बड़वानी कलेक्टर एवं धार कलेक्टर वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से शामिल हुए।

बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने सरदार सरोवर परियोजना के पुनर्वास कार्यों की प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा की। बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि धार और बड़वानी जिलों में इन दिनों औसत से अधिक वर्षा हो रही है। अतः इस क्षेत्र में विशेष ध्यान देने की जरूरत है। आपदा की स्थिति में नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण, आपदा प्रबंधन विभाग, होमगार्ड विभाग, बिजली विभाग, जल विभाग, स्वास्थ्य विभाग, पशुपालन विभाग आदि विभाग समन्वय के साथ कार्य करें। एनडीआरएफ की टीम होमगार्ड के जवानों और गोताखोरों को पूर्व प्रशिक्षण दें, ताकि आपदा की स्थिति में लोगों को बाढ़ आदि से बचाया जा सकें। इसी माह में मॉकड्रिल का आयोजन भी कराया जाये।

साइबर अपराध के प्रति जागरूकता के लिए संस्था सचेतक एवं स्टेट प्रेस क्लब का संयुक्त आयोजन

इंदौर। साइबर क्राइम किसी भी अन्य पारंपरिक अपराध के तरीके से ज़्यादा ख़तरनाक है और उनसे बड़ी चुनौती बन गया है। रीयल वर्ल्ड के तौर तरीके वर्चुअल वर्ल्ड में लागू नहीं होते, यह बात समझना साइबर क्राइम से बचने के लिए ज़रूरी है। साइबर क्राइम पर अंकुश के लिए अंतराष्ट्रीय एजेंसी ज़रूरी है।

ये बातें सचेतक संस्था एवं स्टेट प्रेस क्लब, मप्र द्वारा साइबर अपराधों के प्रति सामान्य जन ने जागरूकता बढ़ाने के लिए संयुक्त रूप से आयोजित व्याख्यान में स्पेशल डीजी पुलिस डॉ वरुण कपूर ने कहीं। अभिनव कला समाज सभागार में आयोजित व्याख्यान की अध्यक्षता पूर्व राज्यपाल जस्टिस विष्णु सदाशिव कोकजे की जबकि विशेष अतिथि स्वनामधन्य सेवा निवृत्त पुलिस अधिकारी श्री पन्नालाल थे। श्री वरुण कपूर ने कहा कि साइबर क्राइम अधिक खतरनाक इसलिए है क्योंकि इसमें अपराधी सामने नहीं दिखता। साइबर क्राइम का शिकार बनना आसान है क्योंकि एक गलती भर से हम शिकार बनते जाते हैं।

कलेक्टर आशीष सिंह ने वर्षाकाल में यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने के लिये अधिकारियों की बैठक ली

इंदौर। इंदौर में मानसून सत्र के दौरान यातायात व्यवस्था सुचारू बनाए रखने के उद्देश्य से आज कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने में संबंधित विभागों की एक महत्वपूर्ण बैठक ली। बैठक में यातायात, नगर निगम, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, लोक निर्माण विभाग सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने राष्ट्रीय राजमार्ग और शहर में यातायात को हर हाल में सुचारू बनाने के लिये निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित की जाये जिससे की वर्षाकाल में किसी भी परिस्थिति में यातायात बाधित नहीं हो, जाम नहीं लगे।

बैठक में श्री आशीष सिंह ने निर्देश दिए कि वर्षा काल में यातायात सुचारू रखने के लिए विशेष निगरानी और व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। खास तौर पर राष्ट्रीय राजमार्ग (एबी रोड बायपास) पर ट्रैफिक की निर्बाध आवाजाही बनाए रखने की सख्त हिदायत दी गई। इस अवसर पर बताया गया कि बायपास पर ?निर्माणाधिन ओवर ब्रिज के कारण यातायात में समस्याएं आ रही है। निर्देशित किया गया कि निर्माणाधिन ओवर ब्रिज के डायवर्ट और सर्विस रोड़ पर आवश्यकता के अनुसार सुधार कार्य अतिशीघ्र किये जाये। बताया गया कि इन रोड़ों पर एनएचआई द्वारा तुरंत ही रोड़ सुधार का कार्य किया जायेगा। पेवर ब्लाक लगाकर सड़क सुधार का कार्य होगा।

बायपास के वैकल्पिक मार्ग- बैठक में बताया गया कि बायपास पर भारी वाहनों का लोड अत्यधिक होने से जाम की स्थिति बन रही है। इससे निपटने के लिये भारी वाहन चालकों को सलाह दी गई है कि वे बायपास के वैकल्पिक मार्ग का उपयोग इंदौर से बाहर जाने के लिये करें। इसके लिये तीन वैकल्पिक मार्ग सुझाएं गये है।

श्री गोपाल मंदिर शॉपिंग कॉम्पलेक्स और इंदौर विकास प्राधिकरण की संयुक्त बैठक आयोजित

संभागायुक्त दीपक सिंह ने तीन दिन की अवधि में दुकानें आवंटित करने के दिये निर्देश

इंदौर। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह की अध्यक्षता में इंदौर विकास प्राधिकरण और श्री गोपाल मंदिर शॉपिंग कॉम्पलेक्स की संयुक्त बैठक आज संभागायुक्त कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में संयुक्त आयुक्त श्रीमती सपना लोवंशी, उपायुक्त श्रीमती शैली कनास, संयुक्त कलेक्टर (माफी अधिकारी) श्रीमती कल्याणी पांडे एवं स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के पदाधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने माफी अधिकारी श्रीमती कल्याणी पांडे को निर्देश दिये कि जिन दुकानदारों ने श्री गोपाल मंदिर शॉपिंग कॉम्पलेक्स स्थित दुकानों के आवंटन, किराया राशि निर्धारित समय सीमा में जमा करा दी है, उन्हें स्मार्ट सिटी के माध्यम से तीन दिन की अवधि में आवंटित की जाये।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

विक्रम विश्वविद्यालय के दस्तावेजों में उल्लेख होगा, विक्रम संवत की तिथि माह और वार

उज्जैन। विक्रम विश्वविद्यालय , उज्जैन अपने दस्तावेजों में विक्रम पंचांग की तिथि, माह और वार को लिखित प्रचलन में लाने वाला विश्वविद्यालय बन जाएगा द्य सितम्बर माह में उज्जैन में शिक्षा, व्यक्तित्व और चरित्र निर्माण विषयों पर आयोजित 3 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में नई शिक्षा नीति लागू किये जाने के 3 वर्षों की समीक्षा की जाकर मंथन किया जाएगा और प्रभावी क्रियान्वयन के लिए नियमों में संशोधन और बदलाव करने की सिफारिश की जाएगी तथा पाठ्यक्रमो में भी संशोधन के प्रस्तावों पर मंथन होगा।

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास तथा विक्रम विश्वविद्यालय , उज्जैन के संयुक्त तत्वावधान में उज्जैन में होने जा रही राष्ट्रीय कार्यशाला को लेकर कुलगुरु प्रो. अर्पण भारद्वाज की अध्यक्षता में आयोजित केंद्रीय बैठक में उपरोक्त प्रस्तावों पर चर्चा

की गई और कुलगुरु प्रो. भारद्वाज ने आश्वस्त किया कि, यह कार्यशाला महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक रहेगी द्य बैठक शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास मध्य क्षेत्र के क्षेत्रीय सह संयोजक श्री ओम जी शर्मा और भारतीय स्त्री शक्ति की प्रान्त अध्यक्ष श्रीमती किरण शर्मा की विशेष उपस्थिति में संपन्न हुई।

प्रो. भारद्वाज ने बैठक में आयोजन को लेकर प्रस्तावों पर यह भी बताया कि विक्रम विश्वविद्यालय, भारतीय विक्रम पंचांग और तिथि पर कार्यक्रमों को आयोजित करने वाला पहला विश्वविद्यालय हैं और अब तो दस्तावेजो में भी यह अंकित हो यह प्रस्ताव विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन की कार्य परिषद के समक्ष लाएंगे जिससे आगामी सत्र के परीक्षा परिणामों की अंकसूची में विक्रम पंचांग की तिथि और वार भी अंकित हो। प्रो. भारद्वाज ने बैठक में बताया कि, नई शिक्षा नीति को लागू हुए 3 वर्ष पूर्ण होने जा रहे और इन्ही वर्षो की समीक्षा की जाकर कार्यशाला में चिंतन किया जाएगा और इस शिक्षा नीति को व्यावहारिक रूप से बेहतर क्रियान्वयन करने की सिफारिश तैयार की जाएगी तथा बाधक बनने वालो पक्षों को ठीक किया जाएगा। शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के मध्य क्षेत्र के क्षेत्रीय सह संयोजक श्री ओम जी शर्मा ने देश का सर्वज्ञ नामकरण ÷भारत÷ किये जाने के अभियान के बारे में विस्तार से बताया और कहा कि, नई शिक्षा नीति का देशभर में क्रियान्वयन किये जाने को लेकर भी अभियान जारी हैं तथा जहा क्रियान्वयन हो रहा हैं उन राज्यों में इसके पक्षों की व्यावहारिकता पर चिंतन किया जा रहा हैं। श्री शर्मा ने झाबुआ की केशव विद्यापीठ का उदाहरण देते हुए बताया कि, यह ऐसा शिक्षा संस्थान बन चुका हैं जिसमे हरेक विषय में योग्यता और दक्षता के साथ विद्यार्थियों का निर्माण किया जा रहा हैं।

सजग उपभोक्ताओं ही अच्छी क्वालिटी के उत्पाद का ब्रांड एंबेसडर-गुप्ता

उज्जैन। सजग उपभोक्ता ही अच्छी क्वालिटी के उत्पाद का ब्रांड एंबेसडर होता है। इसलिए जनहित में उपभक्तों को सदैव जागरुक करते रहना चाहिए। ताकि उसे अच्छे और गुणवत्ता वाले उत्पादों की पहचान हो और वह इनके इस्तेमाल से अपने और परिवार के सदस्यों का सुखमय जीवन का मार्ग प्रशस्त कर सके। यह चर्चा भारतीय मानक ब्यूरो भारत सरकार नई दिल्ली के उप महानिदेशक श्रीमती चित्रा गुप्ता, आरके त्यागी उप महानिदेशक (केंद्र) ने अखिल भारतीय उपभोक्ता उत्थान संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ओम भारद्वाज और राष्ट्रीय सचिव सुनील दौराया से एक दिवसीय उज्जैन प्रवास के दौरान कही। वे उज्जैन में भगवान महाकाल के दर्शन करने के बाद बोल रहे थे। उनके साथ भारतीय मानक ब्यूरो भारत सरकार नई दिल्ली की निदेशक एवं प्रमुख श्रीमती वर्षा गुप्ता, बीआईएस दिल्ली के संयुक्त निदेशक के. चंदन राव, बीआईएस दिल्ली के अक्षय कौशिक, बीआईएस भोपाल के उप निदेशक राहुल कुमार, दिल्ली से अल्पना त्यागी, भारतीय मानक ब्यूरो के श्रीधर पांडे भी मौजूद थे। इस दौरान अखिल भारतीय उपभोक्ता उत्थान संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ओम भारद्वाज ने दिल्ली और भोपाल से आए भारतीय मानक ब्यूरो के अफसरों का पुष्पहार और स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया। अतिथियों का परिचय अखिल भारतीय उपभोक्ता उत्थान संगठन के सुनील दौराया ने कराया। इस अवसर पर अखिल भारतीय उपभोक्ता उत्थान संगठन जिला अध्यक्ष रवि यादव, अखिल भारतीय उपभोक्ता उत्थान संगठन के शहर अध्यक्ष शिव प्रकाश मेहर, हीरालाल ललावत, हिमांशु राव, राव लखन, अभिषेक भारद्वाज, तूफान सिंह मालवीय, दिलीप टटावत, बसंत लोदवाल, अशोक बागोरिया आदि मौजूद थे। यह जानकारी अखिल भारतीय उपभोक्ता उत्थान संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ओम भारद्वाज ने दी।

प्रभु प्रेमी संघ परिवार आज करेगा सत्संग

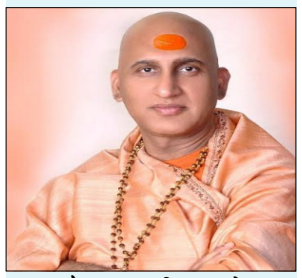

उज्जैन। स्वामी अवधेशानंद गिरीजी महाराज की संस्था प्रभु प्रेमी संघ परिवार के अनुयायियों द्वारा आज 29 जुन रविवार शाम 4:30 बजे श्री राम जानकी मंदिर महाश्वेता नगर मेन रोड़ पर शहनाई गार्डन के सामने सत्संग किया जाएगा।

संस्था अध्यक्ष अजय पाण्डे ने बताया कि सत्संग में पादूका पूजन, गायत्री मंत्र, महामृत्युंजय मंत्र, गुरु मंत्र का जाप श्री हनुमान चालीसा भजन एवं आरती उपरांत प्रसादी वितरण की जायेगी।

आशीष मल्होत्रा बने टेंट व्यवसायी संघ के अध्यक्ष, सचिव की जिम्मेदारी ओम घुरैया को

उज्जैन। शहर के वरिष्ठ टेंट व्यापारी एवं डेकोरेटर्स श्री आशीष मल्होत्रा को सर्वसम्मति से श्री महाकाल टेंट-गार्डन एवं मण्डप व्यावसायी संघ का अध्यक्ष चुना गया है। वरिष्ठ टेंट व्यवसायी श्री ओम घुरैया को संगठन का सचिव बनाया गया है।

इनके अलावा कोषाध्यक्ष जगदीश गुजराती, उपाध्यक्ष अमृतलाल जायसवाल, सहसचिव शुभम मालवीय, सदस्यता अभियान प्रभारी सुमन माली एवं कार्यकारिणी सदस्य घनश्याम चौधरी, आजम मंसूरी, राजेश कीर, गोलू माली, समीर मंसूरी और ध्रुव तिवारी को बनाया गया है। श्री महाकाल टेंट-गार्डन एवं मण्डप व्यावसायी संघ के चुनाव शुक्रवार शाम को सत्यम गार्डन इंदिरानगर पर आयोजित वार्षिक साधारण सभा में हुए। समन्वय समिति के सदस्य दीपचंद सोनी, केसरीमल माली और सुरेश चौहान ने संगठन के निर्विरोध चुनाव सम्पन्न करवाये। बैठक में शहर के प्रमुख टेंट व्यवसायी मंगल कछावा, महेंद्र पंवार, प्रदीप राव, राजेंद्र सिंह, रोहित जायसवाल, शब्बीर मंसूरी, पवन चांगवाल, मंगलसिंह, जगदीश बागड़ी, अब्दुल खलिक, महेश जायसवाल, आदि मौजूद थे। बैठक में संगठन की वार्षिक गतिविधियों की रूपरेखा तय की गई। निवृत्तमान कार्यकारिणी को विदाई दी गई और हज यात्रा से लौटे संगठन के वरिष्ठ सदस्य खालिक मंसूरी का सम्मान किया गया। अंत में आभार नवनियुक्त सचिव ओम घुरैया ने व्यक्त किया।

अंतरराष्ट्रीय नशा निवारण दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित 15 दिवसीय कार्यक्रम का समापन

उज्जैन। समाजशास्त्र एवं समाज कार्य अध्ययनशाला विक्रम विश्वविद्यालय द्वारा अंतरराष्ट्रीय नशा निवारण दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित 15 दिवसीय कार्यक्रम का समापन 26 जून को ग्राम नवाखेड़ा में जनजागरूकता कार्यक्रम के साथ हुआ।

अध्यक्षता करते हुए कुलगुरू अर्पण भारद्वाज ने कहा कि हम जिस समाज के बीच में चर्चा करते हैं। उनको स्थानीय भाषा में समझाते हैं तो उसका ज्यादा प्रभाव पड़ता है और उन्होंने मालवीय भाषा में गांव वालों को संबोधित किया। नशा परिवार की जड़ से समाप्त कर देता है।

बच्चों की शिक्षा, पारिवारिक जिम्मेदारी सभी में बाधा उत्पन्न करता है अतः हमें समझना होगा की हम इससे दूर रहकर परिवार को सशक्त बनाए। ग्राम नवाखेड़ा के सरपंच नरेंद्रसिंह तोमर ने कहा हमारा प्रयास जारी है कि गांववालों को नशा से छुटकारा दिलाए। इसके लिए हम छोटे-छोटे प्रयास करते हैं। बच्चों के जन्मदिन पर पौधे लगाना, बेटी के जन्म दिवस पर 1 हजार रूपये एवं पौधा देना, ताकि गांववालों को अच्छा सामाजिक वातावरण मिल सके। डॉ. ज्योति उपाध्याय अध्यक्ष समाजशास्त्र एवं समाजकार्य विभाग विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन ने 15 दिवसीय कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की।

प्रथम चरण में अध्ययनशाला सेमिनार का आयोजन किया गया। नशा मुक्त समाज हेतु बैनर एवं पोस्टर के साथ रैली, सामाजिक न्याय विभाग के साथ मिलकर विभिन्न अध्ययनशाला एवं महाविद्यालय के साथ मिलकर पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता, 1 मिनिट की रील से सोशल मीडिया के माध्यम से जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन हुआ। उसी तारतम्य में 26 जून को नवाखेड़ा में जागरूकता कार्यक्रम एवं महिलाओं से संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें महिलाओं ने कलाली दुकान को गांव से बाहर, सामुदायिक पुलिस का गांव में दौरा एवं नशा करने वालों को शासकीय योजनाओं से वंचित करने जैसे सुझाव दिये। डॉ. मनीषा चौरे ने संचालन एवं रूपरेखा प्रस्तुत की। डॉ. उत्तम मीणा ने आभार ज्ञापित किया। कार्यक्रम में पंचायत सचिव प्रीतम धाकड़, मनीषा पाठक, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सूरजबाई, प्रेम गेहलोत ग्रहणी, पुष्पा गायकवाड़ शिक्षिका शामावि, रेखा मालवीय, शासकीय मा, विद्यालय रेडक्रास सोसायटी से पूजा चौहान शामिल हुई। कपिल रंगडाले, प्रवीण चौहान, रोहित देवड़ा, संगीता चौहान, आयुष चौहान, तनिष्क चौरसिया, निखिल पीएचडी शोधार्थी, 20 समाज कार्य के विद्यार्थियों एवं ग्राम नवाखेड़ा के 30 महिला एवं पुरूषों ने सहभागिता की।

भारत रक्षा मंच के स्थापना दिवस पर आज होगा थैलीसीमिया ग्रस्त बच्चों के लिए रक्तदान

उज्जैन। देश की बहादुर जनजाति गाडोलिया लोहार समुदाय जिन्होंने महाराणा प्रताप के साथ चित्तौड़ इस वचन के साथ छोड़ा था कि जब तक चित्तौड़ पर पुनः महाराणा प्रताप के या उनके वंशज का शासन नहीं होगा वह पुनः चित्तौड़ नहीं लौटेंगे और इसके कारण आज तक कट्टर सनातनी घुमक्कड़ जीवन बिता रहे हैं, उनके सम्मान में भारत रक्षा मंच के स्थापना दिवस के अवसर पर आज 29 जून को कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है साथ ही थैलीसीमिया ग्रस्त बच्चों के लिए रक्तदान का कार्यक्रम अंतराष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन इकाई द्वारा आयोजित किया जाएगा।

समाजसेवी दीपक राजवानी ने बताया कि कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि एवं वक्ता 1008 महामंडलेश्वर स्वामी श्री शैलेशानंद गिरि जी महाराज देश सनातन के लिए जनजाति संघर्ष पर अपना उद्बोधन देंगे। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि नगर निगम सभापति कलावती यादव एवं महापौर मुकेश टटवाल, सांसद अनिल फिरोजिया, विधायक अनिल जैन कालूखेड़ा, भाजपा जिला अध्यक्ष संजय अग्रवाल रहेंगे। कार्यक्रम प्रातः 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक आनंद मंगल परिसर उद्यन मार्ग पर आयोजित किया गया है। शहर की समस्त धर्म प्राण जनता से निवेदन किया है कि इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में पहुंचकर इस कार्यक्रम को सफल बनाएं।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com